□ लखनऊ
□ वर्ष: 22
□ अंक : 228

RNI.NO.
UPHIN/2004/13730

Email:
prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

□ प्रातः कालीन संस्करण □ रविवार, 05 अप्रैल 2026 □ पृष्ठ : 08 □ मूल्य : 2 रुपया

अमेरिका के पाखंड की राजनीति 04 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी तेज, 'क्वीन फॉरएवर' हो सकता है नया नाम 08

संक्षिप्त खबरें

पूर्वी चंपारण में जहरीली शराब से मौतों का आंकड़ा सात तक पहुंचा

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में जहरीली शराब से मौत का आंकड़ा बढ़कर सात हो गया है, जबकि एक दर्जन से अधिक पीड़ित विभिन्न अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। इस मामले में फॉरेंसिक जांच के बाद पुष्टि हुई है कि शराब के नाम पर धंधेबाजों ने खरीदारों को शुद्ध मेथनॉल परोसा था। घटना में मृतकों की पहचान जयसिंहपुर पुलवाघाट के चंदू प्रसाद, परसौना के प्रमोद यादव और परिक्षण मांझी, बालगंगा के सम्पत साह, हरदिया के हरि भगत, लालकिशोर राय तथा बालगंगा के मुसहरी टोला निवासी लडडू सह के रूप में हुई है।

उत्तर प्रदेश में बारिश और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी

लखनऊ। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के बारिश, आंधी और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आगामी दिनों में मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मौसम विभाग ने बताया कि चार अप्रैल को प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। साथ ही 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं झोंकों में 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं और कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। विभाग के अनुसार पांच अप्रैल के बाद मौसम में कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन सात से नौ अप्रैल के बीच एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बारिश और आंधी का दौर लौटने की संभावना है।

नागरिकों की सुरक्षा जोखिम में डाल रही सरकार : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चीनी सीसीटीवी कैमरों के मुद्दे पर संसद में पूछे गए प्रश्न और सरकार के जवाब का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार विदेशी निगरानी की सच्चाई छिपाकर हर नागरिक की सुरक्षा को जोखिम में डाल रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने लोकसभा में 25 मार्च को सीसीटीवी के संबंध में अतारांकित प्रश्न पूछे थे। राहुल गांधी ने फ़ेसबुक पर पोस्ट किया, ह्लसरकार ने हाल में चीनी सीसीटीवी कैमरों के सार्वजनिक उपयोग पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन सरकारी इमारतों के भीतर ये कैमरे अब भी लगे हुए हैं। प्रतिबंधित चीनी ऐप बदले हुए नामों के साथ फिर सामने आ रहे हैं। विदेशी एआई मंच संवेदनशील डेटा प्रोसेस कर रहे हैं और सरकार के पास इन सब पर कहने के लिए कुछ नहीं है। रायबरेली से सांसद ने कहा, मैंने संसद में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से सवाल पूछा। जवाब में बहुत कुछ कहा गया, लेकिन जो पूछा गया था, उसका कोई स्पष्ट उत्तर नहीं मिला।

एक ही दिन में अमेरिकी लड़ाकू विमान व 6 इजराइली ड्रोन मार गिराए : ईरान

ट्रंप के दावों की हवा निकाल रहा ईरान

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन। ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर डोनाल्ड ट्रंप बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। उनका कहना है कि तेहरान के आसमान पर अमेरिका का पूरा दबदबा है। लेकिन इसके उलट, ईरान लगातार अमेरिकी विमानों पर निशाना साध रहा है। ईरान ने दो अमेरिकी मिलिट्री एयरक्राफ्ट और दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर्स को मार गिराया है। यह सभी ईरान की टोह लेने निकले हुए थे। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि ईरानी सेना, अमेरिकी सेना के मुकाबले कहीं नहीं ठहरती। लेकिन ईरान के इन हमलों से एक बात साबित हो रही है कि वह डोनाल्ड ट्रंप के दावों की हवा निकाल दे रहा है।

पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 35 दिनों से युद्ध जारी है। इस बीच, ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने एक ही दिन में एक लड़ाकू विमान और पांच ड्रोन/क्रूज मिसाइलों को मार गिराया है। आईआरजीसी ने इसे अमेरिका और इजराइल की वायु सेनाओं के लिए काला दिन बताया है।

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम न्यूज एजेंसी ने आईआरजीसी की तरफ से जारी बयान का हवाला देते हुए कहा कि शुक्रवार रात ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए गए थे। इस दौरान ईरान के हवाई रक्षकों ने एक अमेरिकी लड़ाकू विमान और पांच इजराइली हवाई प्रणालियों को मार गिराया, जो अमेरिकी और इजराइली वायुसेना के लिए काला दिन साबित हुआ। आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने खोमीन और ज़ंजन में दो क्रूज मिसाइल, इस्फ़हान के ऊपर दो एमक्यू-9 ड्रोन और बुशेहर में एक हर्मेस ड्रोन को नष्ट करने का दावा किया है। बताया गया कि ईरान के एकीकृत हवाई रक्षा नेटवर्क के तहत संचालित उन्नत हवाई रक्षा प्रणालियों के उपयोग शेष पेज 02 पर

अमेरिकी मीडिया शांति वार्ता पर ईरान के रुख को गलत तरीके से पेश कर रहा : अराघची

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने शनिवार को कहा कि अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच ईरान के रुख को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है और ईरान ने वार्ता के लिए इस्लामाबाद जाने से कभी इनकार नहीं किया।

अब तक 365 अमेरिकी सैनिक घायल, 13 की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के दौरान अब तक कुल 365 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं, जबकि 13 सैनिकों की मौत हुई है। बीबीसी ने अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी तक यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि इन आंकड़ों में ईरान में हाल ही में एक अमेरिकी लड़ाकू विमान के मार गिराये जाने और लापता चालक दल को खोजने के लिए चलाए गये बचाव अभियान के दौरान घायल हुए सैनिक भी घायलों की इस सूची में शामिल हैं या नहीं। अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मरने वालों की संख्या 13 ही बनी हुई है। युद्ध के दौरान घायल हुए अमेरिकी सैनिकों में सेना के 247 जवान, नौ सेना के 63 जवान, वायु सेना के 36 जवान और 19 मरीन सैनिक शामिल हैं।

केजीएमयू से मजारों को हटाने का रास्ता साफ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

□ एक को छोड़ बाकी किसी ने भी मजार को लेकर न तो दस्तावेज पेश किए, न ही कोई सुबूत

□ एक ने जवाब दिया लेकिन मालिकाना हक से जुड़े कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए

लखनऊ। केजीएमयू परिसर में छह मजारों को हटाने का रास्ता साफ हो गया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इन मजार के प्रबंधकों को दो बार नोटिस भेजकर जमीन से जुड़े दस्तावेज और कानूनी स्वामित्व के सुबूत मांगे थे। लेकिन अब तक एक को छोड़ बाकी किसी ने भी मजार को लेकर न तो दस्तावेज पेश किए। न ही कोई सुबूत। ऐसी दशा में मजारों को अवैध मानते हुए कार्रवाई की जाएगी। केजीएमयू प्रशासन ने बताया कि सिर्फ न्यू ऑर्थोपेडिक विभाग में स्थित एक मजार की ओर से जवाब दिया गया। लेकिन उसमें भी जमीन के आवंटन या मालिकाना हक से जुड़े कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए।

इसके बाद उन्हें दोबारा आवश्यक प्रमाण देने का मौका दिया गया, लेकिन फिर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। अब सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के तहत सभी संबंधित पक्षों को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया गया। पहले यह सुनवाई 28 फरवरी को प्रस्तावित थी। जिसे रमजान के चलते चार अप्रैल तक स्थगित किया गया। शनिवार को कलाम सेंटर में दोपहर दो से शाम चार बजे तक केजीएमयू के अधिकृत अधिकारी सुनवाई के लिए बैठे रहे। छह मजारों का कोई भी प्रबंधन या प्रतिनिधि सुनवाई में शामिल नहीं हुआ। केजीएमयू प्रशासन ने बताया कि अब इस मामले में सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के अनुसार आदेश जारी किया जाएगा। आगे की कार्रवाई के लिए प्रशासन को भेजा जाएगा। प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि नियमानुसार मजारों को लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इसरो ने पहली बार मिशन मित्रा किया शुरू

चेन्नई। भारत में पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इस बीच, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) ने चालक दल की सुरक्षा एवं प्रदर्शन को सभी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों के सबसे महत्वपूर्ण तत्व मानते हुए मिशन मित्रा (मैपिंग ऑफ इंटरऑपरेबल ट्रेड्स एंड रेसिलियंस असेसमेंट) शुरू किया है। यह अपनी तरह का पहला टीम के व्यवहार का अध्ययन है, जिसका उद्देश्य ऊंचाई वाले वातावरण में काम करने वाले चालक दल और जमीनी टीमों की शारीरिक, मनोवैज्ञानिक एवं परिचालन संबंधी गतिशीलता का अध्ययन करना है। मित्रा भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान संचालन क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

ईरान के साथ भुगतान की कोई समस्या नहीं : सरकार

एजेंसी

□ ईरान के तेल टैंकर को 'भुगतान मुद्दों' के कारण चीन मोड़े जाने की रिपोर्ट गलत: पेट्रोलियम मंत्रालय

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि ईरान से कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान संबंधी कोई समस्या नहीं है और रिफाइनरियां उस देश के साथ ही दुनिया भर के विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं से तेल हासिल कर रही हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में उन खबरों को खारिज किया, जिनमें दावा किया गया था कि ईरानी कच्चा तेल ले जा रहा एक तेल टैंकर अपने पहले से संकेतित गंतव्य भारत के बजाय चीन की ओर मुड़ गया है। मंत्रालय ने कहा कि ये दावे उद्योग के उस सामान्य अभ्यास को अनदेखी करते हैं, जहां परिचालन लचीलेपन के आधार पर यात्रा के दौरान कार्गो अपना गंतव्य बदल सकते हैं। यदि यह खेप भारत आती, तो लगभग सात वर्षों में ऐसी पहली खेप होती।

मंत्रालय ने इन दावों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताया कि भुगतान बाधाओं के कारण कार्गो को गुजरात के वाडिनार के बजाय चीन की ओर मोड़ा गया था। मंत्रालय ने कहा, ईरानी कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान की कोई बाधा नहीं है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया, भारत 40 से अधिक देशों से कच्चे तेल का आयात करता है, और कंपनियों के पास विभिन्न स्रोतों और भौगोलिक क्षेत्रों से तेल प्राप्त करने का पूर्ण लचीलापन है। मंत्रालय के अनुसार, पश्चिम एशिया में आपूर्ति बाधाओं के बीच, भारतीय रिफाइनरियों ने ईरान सहित अपनी कच्चे तेल की आवश्यकताओं को सुरक्षित कर लिया है, और अफवाहों के विपरीत ईरानी कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान की कोई बाधा नहीं है। जहाजों पर नजर रखने वाली फर्म 'केप्लर' ने शुक्रवार को कहा था कि 2002 में निर्मित और 2025 में अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित शेष पेज 02 पर

भारत वैश्विक संकट के बीच मजबूती से उभरा और इसका डटकर मुकाबला किया : जयशंकर

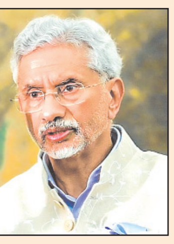

रायपुर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि वैश्विक संकट के बीच भारत मजबूती से उभरा है और हालात का डटकर मुकाबला किया है। जयशंकर का इशारा पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष की ओर था। रायपुर स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने घरेलू और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने कहा कि संघर्षों का असर दूर-दराज के समाजों पर भी गहराई से पड़ा है, जो वैश्वीकरण की व्यापकता को दर्शाता है। जयशंकर ने कहा, इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हाल के समय में कई वैश्विक संकटों ने हमारी सहनशीलता की परीक्षा ली है और भारत उनसे मजबूती के साथ उभरा है। उन्होंने कहा कि फरवरी में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद पश्चिम एशिया में शुरू हुए संकट ने वैश्विक ईंधन आपूर्ति को प्रभावित किया है और हाइड्रोकार्बन की कमी पैदा की है। विदेश मंत्री ने कहा कि मजबूत राष्ट्रीय क्षमताओं का निर्माण अब अनिवार्य हो गया है; जोखिम कम करने और वैश्विक स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत शेष पेज 02 पर

शिक्षा सिर्फ प्रमाणपत्र देने या डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूल चलो अभियान 2026 का किया शुभारंभ, शैक्षणिक सामग्री बांटी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी दौरे के दूसरे व अन्तिम दिन शनिवार को शिवपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय से पूरे प्रदेश में स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा सिर्फ प्रमाणपत्र देने या डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं है। यह मनुष्य को संस्कारित करने, समाज राष्ट्र को गढ़ने का सशक्त माध्यम है और उसके योजक के रूप में ईश्वर ने जो भूमिका हमारे गुरुजनों, शिक्षकों को दी है, अगर वह अपनी महती जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे तो उसके बेहतरीन परिणाम आएंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के सभी गुरुजनों ने मेहनत की है। ऑपरेशन कायाकल्प को नई ऊंचाई तक पहुंचाया, हर स्तर पर प्रयास किया। ऑपरेशन कायाकल्प में एक लाख 36 हजार से अधिक विद्यालय बुनियादी सुविधाओं से युक्त हुए हैं। ऑपरेशन निपुण के माध्यम से सामान्य शिक्षा के बारे में बच्चों के मन में जिज्ञासा बढ़ी है, उन्हें अक्षर ज्ञान और अंकों का ज्ञान हुआ है। यह तभी संभव हो पाया जब हमारे शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने और हमारे शिक्षकों ने मेहनत की, परिश्रम किया। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 के दौर को याद कर कहा कि हमारी सरकार ने 01 जुलाई को स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया था। उससे पहले प्रदेश के अलग-अलग जिलों में जाने का अवसर मुझे मिला था। तब बेसिक शिक्षा विभाग के भवन की जर्जर स्थिति और बंदी की कगार पर पहुंच रहे स्कूलों की स्थिति को देखा था। मुख्यमंत्री ने एक स्कूल का खास तौर पर जिक्र कर कहा कि एक स्कूल में गया था, जहां प्रधानाचार्य ने बताया कि अब उनके स्कूल में बच्चों की संख्या लगातार घट रही है। 10 से कम बच्चे रह गए हैं, तय है कि अगले सत्र में शायद ये बच्चे भी न आएं। मैंने प्रधानाचार्य से पूछा कि आखिर ये बच्चे कहां जा रहे हैं, जवाब मिला- बच्चों में पढ़ने की रुचि नहीं है। तब मैंने उनसे कहा था कि बच्चों में पढ़ने की रुचि नहीं या आप में पढ़ाने की रुचि नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों की जिज्ञासा को बढ़ाना ही हमारा काम है। अगर शिक्षक अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगे तो परिणाम बेहतर आएंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने इस बार बजट में कस्तूरबा गांधी विद्यालय के लिए पैसा दिया। श्रमिकों के लिए और निराश्रित बच्चों के लिए कोई जगह नहीं थी, तो श्रमिकों और निराश्रित बच्चों के लिए हम लोगों ने अटल आवासीय विद्यालय प्रारंभ किए। उन्होंने बताया कि छह वर्ष का बच्चा होगा, उसका पहली क्लास में एडमिशन होगा लेकिन तीन से छह वर्ष के बच्चे क्या करेंगे? उनके लिए प्री-प्राइमरी के रूप में बाल वाटिका हर आंगनबाड़ी केंद्र में बनाने का कार्य युद्ध स्तर पर आगे बढ़ा है। हमने धनराशि की व्यवस्था की है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जिले के पांच निपुण विद्यालय, पांच शेष पेज 02 पर

चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए : जस्टिस नागरत्ना

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने शनिवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए और उन पर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, ''चुनाव केवल समय-समय पर होने वाली घटनाएं नहीं हैं। वे एक ऐसा तंत्र हैं जिसके माध्यम से राजनीतिक सत्ता का गठन होता है। हमारे संवैधानिक लोकतंत्र ने यह भली-भांति सिद्ध किया है कि समय पर चुनाव होने के कारण सरकार में परिवर्तन सुचारू रूप से होते हैं। इस प्रक्रिया पर नियंत्रण का अर्थ, वास्तव में, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की शर्तों पर ही नियंत्रण है।''

जस्टिस बीवी नागरत्ना पटना के चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में अधिकारों से परे संविधानवाद: संरचना क्यों मायने रखती है, के विषय पर डॉ राजेंद्र प्रसाद स्मारक व्याख्यान दे रही थीं। बार एंड बेंच के अनुसार, उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और वित्त आयोग का डिजाइन एक जैसा है। ये संस्थाएं बाहरी प्रभावों से मुक्त, विशेषीकृत हैं और इन्हें ऐसे क्षेत्रों की देखरेख का काम सौंपा गया है, जहां निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सामान्य राजनीतिक प्रक्रियाएं शायद पर्याप्त न हों। उन्होंने कहा, ''यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि ये संस्थाएं स्वतंत्र रूप से कार्य करें और राजनीतिक प्रक्रियाओं से प्रभावित न हों।'' भारत के लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका पर कमेंट करते हुए, शेष पेज 02 पर

'इतिहास से सबक मिलता है...'

उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास से सबक मिलता है कि संवैधानिक ढांचे का पतन तब होता है जब उसकी संरचना को कमजोर कर दिया जाता है, और अधिकारों का हनन तो बस उसके बाद होता है। संरचना का यह विघटन तब होता है जब संस्थाएं एक-दूसरे पर निगरानी रखना बंद कर देती हैं। ऐसे समय में, चुनाव होते रह सकते हैं, अदालतें काम करती रह सकती हैं, संसद द्वारा कानून बनाए जा सकते हैं और फिर भी, सत्ता पर प्रभावी रूप से कोई अंकुश नहीं रहता, क्योंकि ढांचागत अनुशासन अब मौजूद नहीं रहता।

कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत : मोदी

एजेंसी

तिरुवल्ला (केरल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'हमारे केरलम को ईश्वर ने अपार संसाधन और संभावनाएं दी हैं। यहां समंदर में ब्लू इकोनॉमी के असीम अवसर हैं। यहां उद्योगों के लिए संभावनाएं हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन केरल बाकी राज्यों से लगातार पीछे होता जा रहा है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि राज्य में इस बार माहौल बदल चुका है और जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को मतदान के बाद 4 मई को एनडीए सरकार बनने जा रही है। उन्होंने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि राज्यभर में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है। उन्होंने उम्मीदवार अनूप को समर्पित और मेहनती बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की। रैली के दौरान उन्होंने सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी उल्लेख किया और इसे सांस्कृतिक जुड़ाव से जोड़ा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने यह भी बोले कि केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत है।

केरल में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में केरल को फायदा होगा, भले ही उन्हें खुद व्यक्तिगत रूप से कुछ नुकसान उठाना पड़े। उन्होंने कहा कि एनडीए उम्मीदवार अनूप पिछले पांच वर्षों से उनके साथ पूरी मेहनत और समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। वह शांत, ईमानदार और दिन-रात काम करने वाले कार्यकर्ता हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल को ऐसे युवा नेता की जरूरत है और आज वह अनूप को जनता के हवाले कर रहे हैं ताकि वह लोगों की सेवा कर सकें। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने हाल ही में मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के तहत केरल के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की थी। इस दौरान 5000 शक्ति केंद्रों से 1.25 लाख से ज्यादा कार्यकर्ता जुड़े। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं का एक ही संदेश था कि केरल की जनता अब एलडीएफ सरकार को हटाने का मन बना चुकी है। कहा कि रैली में आने के दौरान पूरे रास्ते लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। वाम दल जहां मानव श्रृंखला की बात करते हैं, वहीं केरल की जनता ने एनडीए के समर्थन में मानव दीवार खड़ी कर दी है। प्रधानमंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन सरकारों ने इस क्षेत्र की लंबे समय तक अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि यहां की सड़कें खराब हालत में हैं, वर्षों से नए पुल नहीं बने हैं और मेडिकल कॉलेज की स्थिति भी चिंताजनक है। बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण लोगों की जीवन गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि जब एलडीएफ और यूडीएफ केंद्र में सत्ता में थे, तो केरल को कम फंड मिलता था। लेकिन मोदी सरकार में राज्य को पांच गुना ज्यादा फंड दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों में, जहां बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय रहता है, वहां एनडीए की सरकारें बनी हैं और विकास कार्य हुए हैं। गोवा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां भी सरकार लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि केरल में एनडीए सरकार बनेगी, जिससे शेष पेज 02 पर

एमएलसी के प्रयास कैसरगंज के अधिवक्ताओं को मिली बड़ी सौगात

88 लाख से बनेगा आधुनिक हॉल व कक्ष

प्रभात समय संवाददाता

कैसरगंज(बहराइच)। कैसरगंज के अधिवक्ताओ को बैठने के लिए लिए आधुनिक कक्ष व एक हाल के निर्माण के लिए 88 लाख रूपये के धनराशि सरकार ने मंजूर कर दी है।

यह महत्वपूर्ण स्वीकृति प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा एवं विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) पदम सेन चौधरी के प्रयासों से संभव हो सकी है। उन्होंने अधिवक्ताओं की इस लंबे समय से चली आ रही मांग को गंभीरता से उठाते हुए शासन स्तर पर पहल की, जिसके फलस्वरूप मुख्यमंत्री द्वारा निर्माण कार्य को औपचारिक मंजूरी प्रदान कर दी गई। इस परियोजना के लिए लगभग 88 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।इस राशि से अधिवक्ताओं के बैठने हेतु सुव्यवस्थित कक्षों के साथ एक विशाल हॉल का निर्माण कराया जाएगा, जिससे बार के दैनिक कार्यों, बैठकों और न्यायिक गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकेगा।इस निर्णय के बाद कैसरगंज बार एसोसिएशन में खुशी की लहर दौड़ गई है।बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह विसेन व ज्ञान बाबू वर्मा सहित सभी पदाधिकारियों ने इस पहल के लिए पदम सेन चौधरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुविधा लंबे समय से आवश्यक थी, जो अब पूरी होने जा रही है।अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष गंगाधर मिश्र, विजय प्रताप सिंह,सत्यशरण सिंह,बृजेश मिश्रा,मनोज कुमार सिंह, पंकज श्रीवास्तव, आदि का कहना है कि इस नई व्यवस्था से न केवल उनके कार्य में सुगमता आएगी, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया को भी मजबूती मिलेगी। साथ ही अधिवक्ताओं के लिए एक बेहतर और व्यवस्थित कार्य वातावरण उपलब्ध हो सकेगा, जो न्याय व्यवस्था की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करेगा।

मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, विदाई समारोह में नम हुई आंखें

संविलयन विद्यालय टेंडवा अल्पी मिश्र में कक्षा 8 पास करने वाले विद्यार्थियों का विदाई समारोह

प्रभात समय संवाददाता

संसू गजाधरपुर बहराइच। फखरपुर ब्लॉक के ग्राम टेंडवा अल्पी मिश्र स्थित संविलयन उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 8 के छात्र छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने स्कूल से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों को सम्मानित किया गया।

विदाई के क्षणों में कई विद्यार्थियों की आंखें नम हों गई। विद्यार्थियों ने एक दूसरे को ग्रीटिंग कार्ड, उपहार दिए। ग्रुप फोटो के साथ यादों को संजोने की भावना प्रदर्शित की। जूनियर बच्चों ने साथियों के साथ बीते पलों के अनुभव साझा किए।

मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि उदयराज वर्मा, प्रधानाचार्य पंकज विश्वास, दुर्गेश, अभिषेक, ओमकार, श्रीमती राधारानी शर्मा, समेत सभी शिक्षकों ने कक्षा आठ तक पढाई सफलतापूर्वक पूरी करने वाले छात्र छात्राओं को फूल माला पहना कर व हाथों से मिठाई खिला कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में कक्षा 1 से आठ तक की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व विद्यार्थियों को मेडल व पुरूस्कार देकर हौसलाअफजाई की गई। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन करने वाले छात्र शिवम साहू को मेडल व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया।

शिक्षक शिव कुमार चौधरी ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित स्कूल भेजने व नये सत्र में सभी पात्र बच्चों का नामांकन कराने की अपील की। इस मौके पर ललित पाठक, सतीश चंद्र पाठक, वीरेंद्र गौड़, श्रीमती स्वाती पाठक, मदन मोहन गौड़, अवधेश पाठक समेत अन्य अभिभावकगण,स्कूली बच्चे पूर्व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

दुष्कर्म के आरोपित को पुलिस ने दबोचा

प्रभात समय संवाददाता

कैसरगंज(बहराइच)। दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपित को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ल ने बताया कि उनके नेतृत्व में गठित टीम ने ग्राम वैराकाजी कोटवा निवासी मोहम्मद आसिफ को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। उन्होंने बताया कि आरोपित के खिलाफ पहले से ही थाने में मुकदमा दर्ज था। पुलिस टीम उसकी तलाश कर रही थी। गिरफ्तारी टीम में एसएसआई वीरेंद्र मिश्र, कांस्टेबल ओमप्रकाश पांडेय शामिल रहे।

मानवता के पथ पर निरंतर अग्रसर फौजदार वर्मा

13 वर्षों बाद बिछड़े बेटे को परिवार से मिलवाकर रचा भावनाओं का इतिहास

प्रभात समय संवाददाता

बाबागंज, बहराइच। झारखण्ड के एक युवक की कहानी किसी फ़िल्म से कम नहीं है।13 साल पहले अपने परिजनों से बिछड़े एक युवक की कहानी ज़ब स्थानीय ग्राम प्रधान एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य फौजदार वर्मा कों लगी तो उन्होंने युवक की टूटती उम्मीद कों थाम लिया। ज्ञात हो कि एक बार फिर अपने उत्कृष्ट सामाजिक, व्यवहारिक एवं मानवतावादी कार्यो के चलते क्षेत्र में चर्चा और सम्मान का केंद्र बने हुए हैं। बताते चले 13 वर्षो से बिछड़े मासूम बालक को उसके परिजनों से मिलवाकर इंसानियत की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने हर संवेदनशील हृदय को भावुक कर दिया।उक्त बालक कुछ समय से श्री वर्मा के संरक्षण में रह रहा था,जहां उसे अपने सगे पुत्र की तरह स्नेह, ममता और सुरक्षा प्रदान की गई। मानवता के प्रति अपनी गहरी संवेदनशीलता और सेवा भाव के चलते श्री वर्मा ने निरंतर प्रयास करते हुए झारखंड के रांची (जिला) एवं जमशेदपुर तक का लंबा सफर तय किया और अंततः उस बिछड़े बेटे को उसकी माँ की गोद में सौंप दिया। वर्षों बाद जब यह मिलन हुआ, तो मां की आंखों से बहते आंसू, बेटे को सीने से लगाकर उसकी सिसकियां, भाई-बहनों की उमड़ती भावनाएं और पूरे गांव का भावुक वातावरण–यह सब कुछ उस क्षण को अविस्मरणीय बना गया। परिजनों ने बताया कि उन्होंने लगभग उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन श्री वर्मा के इस प्रयास ने उनकी जिंदगी में फिर से खुशियों का उजाला भर दिया। यह घटना केवल एक पुनर्मिलन नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और सच्ची सेवा का जीवंत उदाहरण है। फौजदार वर्मा का मानना है कि किसी के जीवन में मुस्कान लौटाना ही सबसे बड़ा धर्म और सच्चा पुण्य है और वे इसी सिद्धांत पर निरंतर कार्य करते आ रहे हैं। गौरतलब है कि श्री वर्मा द्वारा समय-समय पर ऐसे अनेक सामाजिक, व्यवहारिक एवं मानवतावादी कार्य किए जाते रहे हैं, जिनसे समाज के हर वर्ग को लाभ मिला है। उनकी संवेदनशीलता, सहज व्यवहार और सेवा भावना ने उन्हें जनता के दिलों में एक विशेष स्थान दिलाया है।आज वे केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि मानवता के सच्चे प्रहरी और समाज सेवा के प्रेरणास्रोत के रूप में पहचाने जाते हैं।यह सराहनीय कार्य न केवल क्षेत्र बल्कि व्यापक समाज के लिए भी प्रेरणा का संदेश देता है कि सच्चे प्रयास और नेक नीयत से किसी के जीवन में बदलाव लाया जा सकता है।

झलकारी बाई का स्वतंत्रता आंदोलन में रहा है अप्रतिम योगदान : चंद्रभूषण

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। भारत के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रहते हुए 04 अप्रैल 1858 को अपनी शहादत देने वाली झलकारी बाई को उनके शहादत दिवस पर याद करते हुए सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डुमरी स्थित सपा जन संपर्क कार्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कहा कि मातृभूमि के लिए झलकारी बाई की दी गई कुर्बानी हमें राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध के प्रति सजग करती है। सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने झलकारी बाई के बहादुरी को अविस्मरणीय करार देते हुए कहा कि झांसी की रानी लक्ष्मी बाई को उनके पुत्र के साथ सकुशल बाहर निकाल खुद लक्ष्मी बाई बन जिस अप्रतिम कुर्बानी को झलकारी बाई ने देने का कार्य किया वह अपने आप में अद्‍भुत और अकल्पनीय है। झलकारी बाई को उनके शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में व्यास यादव, इसमुहम्मद ,सुरेश नारायण सिंह, झुल्लर अंसारी, गोकुला यादव, श्रीनिवास प्रसाद,नगीना यादव, धन्नू यादव, विनोद यादव,मुरलीधर, गोविंद यादव, दयानंद यादव, अभिषेक गुड्डू गोंड, नाजिर अंसारी, अयोध्या वर्मा, बेलभद्र गोंड, शंकर गोंड, नारायण प्रसाद, श्यामसुंदर प्रसाद, नगीना यादव, सचिन कुमार आदि के नाम प्रमुख हैं।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध क्लिनिक को किया सील

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। सीएमओ के निर्देश पर डिप्टी सीएमओ डॉ अश्वनी पाण्डेय के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को शहर के न्यू कॉलोनी स्थित अवैध रुप से संचालित एक निजी अस्पताल पर छापा मारा। उन्होंने अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों को सील करके मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई किया।

डिप्टी सीएमओ अश्वनी मुख्य नेतृत्व में तीन सदस्यीय स्वास्थ्य विभाग की टीम ने न्यू कॉलोनी स्थित आविका क्लिनिक का नाम बदलकर तृषिका क्लिनिक के से संचालित हो रहे अस्पताल पर छापा मारा। टीम ने ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर व जनरल वार्ड का निरीक्षण किया। मोके पर अस्पताल के मौजूद कर्मचारी सरिता यादव व खुशबू चौहान ने टीम को बताया कि दो दिन पूर्व ही अस्पताल का नाम अविका से तृषिका क्लिनिक किया गया है। निरीक्षण में पाया गया कि क्लिनिक के पैड पर फीजिशियन डॉ दयाशंकर राय का नाम लिखा था। उपस्थिति कर्मचारियों द्वारा टीम को क्लिनिक का कोई भी अभिलेख न मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए क्लिनिक को सील कर दिया। डिप्टी सीएमओ डॉ अश्वनी पाण्डेय ने बताया कि सीएमओ के निर्देश पर यह छापेमारी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई चल रही है। अवैध हास्पिटल बंद कराने तक यह अभियान जारी रहेगा।

छापेमारी के दौरान टीम में अरुण शाही, सूरज आदि मौजूद रहे।

अधिग्रहित भूमि के स्वामियों से आमंत्रित किये गये दावे आपत्ति

बहराइच। विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी राजेश प्रसाद ने बताया कि जनपद बहराइच में बहुदेशीय हब निर्माण हेतु अधि.अभि. लो.नि.वि. प्रा.ख. बहराइच द्वारा तहसील नानपारा के परगना चर्दा अन्तर्गत ग्राम भवनियापुर टिकुरी में भू-खण्ड सं. 15मि. क्षेत्रफल 0.2355हे., ग्राम गबरखा में भू-खण्ड सं. 48 क्षेत्रफल 0.2270हे. एवं भू-खण्ड सं. 84/2 क्षेत्रफल 0.2100 हे. तथा कलवारी में भू-खण्ड सं. 941मि. क्षेत्रफल 0.5770 हेक्टेयर प्रस्तावित भूमि में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों से अपेक्षा की है कि 04 मई 2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे व्यक्तिगत रूप से या किसी प्रतिनिधि अथवा अधिवक्ता के माध्यम से कलेक्टर के कार्यालय विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, बहराइच में उपस्थित होकर भूमि में अपने से सम्बन्धित हित की प्रकृति तथा ऐसे हितों के सम्बन्ध में दावे की धनराशि एवं ब्यौरा तथा अधिनियम की धारा-20 के अन्तर्गत किए गए।

डीएम की अध्यक्षता में भाटपाररानी तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

कुल 49 मामलों मे से 8 का हुआ मौके पर निस्तारण

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में शनिवार को भाटपाररानी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों का निस्तारण मौके पर संभव नहीं हो सका है, उन्हें निर्धारित समयसीमा के भीतर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए। साथ ही लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए प्रगति से उच्चाधिकारियों को अवगत कराने के भी निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान कुल 49 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 12 राजस्व विभाग, 13 पुलिस विभाग, 4 विकास विभाग तथा 20 अन्य विभागों से संबंधित प्रकरण शामिल रहे। इनमें से 8 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई, जबकि शेष प्रकरणों को आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

इस दौरान 3 पात्र लाभार्थियों को अंत्योदय राशन कार्ड वितरित कर त्वरित राहत प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र व्यक्तियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का एक ही स्थान पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना है, जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, तहसील स्तरीय कर्मचारी, थानाध्यक्ष सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवसों के लिए नामित किये गये राजपत्रित अधिकारी

बहराइच। शासन के निर्देश पर प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को पूर्वान्ह 10:00 बजे से अपरान्ह 02:00 बजे तक जिले के थानों पर आयोजित होने वाले समाधान दिवसों को प्रभावी, सार्थक एवं जनोपयोगी बनाये जाने के लिए राजपत्रित अधिकारियों को नामित किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षक के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी रोस्टर के अनुसार नामित राजपत्रित अधिकारी माह अप्रैल, मई एवं जून 2026 के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को आयोजित होने वाले थाना समाधान दिवसों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आमजन की ज्यादा से ज्यादा समस्याओं का समाधान पंचायती तरीके से कराना सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर आमजन की ज्यादा से ज्यादा समस्याओं के समाधान के लिए राजस्व निरीक्षक, क्षेत्रीय लेखपाल व नगर निकाय के क्षेत्रान्तर्गत थानों में सम्बन्धित निकाय के अधिशासी अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहेंगे। जिला मजिस्ट्रेट व पुलिस अधीक्षक के संयुक्त हस्ताक्षर द्वारा जारी रोस्टर के अनुसार कोतवाली नगर के लिए तहसीलदार सदर बहराइच, कोतवाली देहात के लिए नायब तहसीलदार सदर बहराइच, थाना दरगाह शरीफ के लिए चकबन्दी अधिकारी सदर, रानीपुर के लिए बीडीओ चित्तौरा, रिसिया के लिए बी.डी.ओ. रिसिया, थाना पयागपुर के लिए तहसीलदार पयागपुर, विशेश्वरगंज के लिए बीडीओ विशेश्वरगंज, हुज़ूरपुर के लिए बीडीओ हुजूरपुर, फखरपुर के लिए बीडीओ फखरपुर व थाना कैसरगंज के लिए तहसीलदार कैसरगंज को थाना समाधान दिवस के लिए राजपत्रित अधिकारी नामित किया गया है।

पेज एक का शेष...

ट्रंप के दावों...

से यह संभव हुआ। आईआरजीसी ने आगे कहा कि उसकी एयरोस्पेस रक्षा इकाइयों ने मध्य ईरान में एक उन्नत लड़ाकू विमान को भी सफलतापूर्वक मार गिराया। उसने कहा कि ईरान की हवाई रक्षा सेनाओं द्वारा निरंतर, अभिनव, सतत और सटीक निगरानी के साथ, देश का आसमान दुश्मन विमानों के लिए तेजी से असुरक्षित होता जाएगा। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई समेत कई वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और नागरिकों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में, ईरानी ने खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिका और इजराइल के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाता आ रहा है। असल में ईरान, इस युद्ध में गैरपारंपरिक तौर-तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है। यह चीजें अमेरिका को चौंका रही हैं। हालांकि युद्ध दूसरे महीने में है, लेकिन अभी तक अमेरिका अभी तक ईरान की चालबाजियों की थाह नहीं लगा पाया है। बता दें कि शुक्रवार को एक अमेरिकी एफ-15ई ईगल लड़ाकू जेट को मार गिराने के बाद, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्ब्स ने एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम को इसका क्रेडिट दिया। कुछ ही घंटों के बाद, एफ-15 की तलाश में निकले दो ब्लैक होंक हेलीकॉप्टर पर भी गोलियां बरसाई गईं। हालांकि यह ईरानी हवाई क्षेत्र से बाहर निकल गए। एक अन्य अमेरिकी जेट, एक इ-10 वारथोंग एयरक्राफ्ट भी कुवैत के ऊपर कैश हो गया। ईरान के यह सभी हमले, अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका साबित हो रहे हैं। करीब 20 साल में यह पहली बार है जब दुश्मन ने अमेरिकी फाइटर जेट्स को मार गिराया है। अंतिम बार ऐसा साल 2003 में हुआ था। तब इराक में अमेरिकी युद्धक विमान मार गिराए गए थे। रणनीतिक तौर पर देखा तो यह ईरान का दबदबा दिखाता है। ईरान के आसमान पर बार-बार पूर्ण नियंत्रण के ट्रंप के दावे झूठे साबित होते जा रहे हैं। बता दें कि 24 मार्च को ट्रंप ने कहा था कि हमारे पास सचमुच ऐसे विमान हैं जो तेहरान और उनके देश के अन्य हिस्सों के ऊपर उड़ रहे हैं। वे इनका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। लेकिन महज हफ्ते भर बाद, ईरान ने ट्रंप और दुनिया को हकीकत दिखा दी। हालांकि ईरान ने अभी यह बताया नहीं है कि अमेरिकी विमानों को किसने गिराया। लेकिन विश्लेषकों का अनुमान है कि इसके पीछे माजिद इंफ्रारेड एयर डिफेंस सिस्टम या कंधे से चलने वाली मिसाइलें हो सकती हैं। इनका पता लगाना भी मुश्किल होता है। माना जा रहा है कि ईरान ने जो दो अमेरिकी फाइटर प्लेन्स गिराए हैं, वह बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भर रहे थे। इसलिए कंधे से चलने वाली मिसाइलों के लिए उन्हें निशाना बनाना आसान हो गया। वास्तव में, माजिद सिस्टम, सतह-से-हवा में मार करने वाला मिसाइल प्लेटफॉर्म है। माना जा रहा है कि अमेरिका के सबसे उन्नत विमान सिस्टम एफ-35 पर हमले में इसने भी भूमिका निभाई है।

शिक्षा सिर्फ प्रमाणपत्र...

निपुण बच्चे व पांच नव प्रवेशी बच्चों को सम्मानित भी किया। इस अभियान को लेकर विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों ने 12 स्टॉल भी लगाए थे। जिसका मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क करें और बच्चों का नामांकन कराएं। स्कूल चलो अभियान का पहला चरण 15 अप्रैल तक और दूसरा चरण एक जुलाई से 15 जुलाई तक चलेगा। कार्यक्रम में प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, वाराणसी के संयुक्त शिक्षा निदेशक दिनेश सिंह, एडी बेसिक हेमंत राव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव आदि भी मौजूद रहे।

भारत वैश्विक संकट...

करने का यह सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवस्था बदल रही है और देशों की ताकत व प्रभाव में साफ तौर पर बदलाव नजर आ रहा है। जयशंकर ने कहा, ह्लप्रौद्योगिकी, ऊर्जा, सैन्य क्षमता, संपर्क और संसाधनों में हो रहे नए विकास ने बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच जोखिम लेने की प्रवृत्ति को बढ़ाया है। आज हर चीज का इस्तेमाल अपने हित में किया जा रहा है, कई बार उसे हथियार की तरह भी इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया एक ऐसे दौर का सामना कर रही है, जहां माहौल अधिक अस्थिर और अप्रत्याशित होता जा रहा है तथा ऐसे में खुद को सुरक्षित रखना बड़ी चुनौती बन गया है। विदेश मंत्री ने कहा, इस स्थिति ने जोखिम कम करने और विविधीकरण की दिशा में अधिक झुकाव पैदा किया है, चाहे वह व्यापारिक निर्णय हों या विदेश नीति का हिस्सा। जयशंकर ने कोविड महामारी, संघर्षों और जलवायु परिवर्तन को इस दशक की तीन प्रमुख चुनौतियां बताया। उन्होंने कहा कि अधिक समावेशी विकास, प्रतिनिधित्व वाली राजनीति और निर्णायक नेतृत्व ने एक नयी मजबूत नींव तैयार की है।

ईरान के साथ...

टैंकर 'पिंग शुन' अब गुजरात के वाडिनार के बजाय चीन के डोंगयिंग को अपना गंतव्य बता रहा है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि लगभग 44,000 टन ईरानी एलपीजी लाने वाला एक जहाज सी बर्ड दो अप्रैल को मंगलौर पहुंचा और इस समय माल उतार रहा है।

चुनाव आयोग जैसी...

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि चुनाव केवल समय-समय पर होने वाली घटनाएं नहीं हैं, बल्कि एक ऐसा तंत्र हैं जिसके माध्यम से राजनीतिक सत्ता का गठन होता है। जज ने आगे कहा, ''हमारे संवैधानिक लोकतंत्र ने यह भली-भांति साबित कर दिया है कि समय पर चुनाव होने के कारण सरकार में बदलाव का काम कितनी आसानी से होता है। इस प्रक्रिया पर नियंत्रण का मतलब, असल में, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की शर्तों पर ही नियंत्रण रखना है।'' उन्होंने आगे कहा, ''टीएन शेशन बनाम भारत संघ मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को एक अत्यंत महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था के रूप में मान्यता दी, जिसे चुनावों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक बार फिर, चिंता का विषय ढांचागत था। यदि चुनाव कराने वाले लोग उन लोगों पर निर्भर हों जो चुनाव लड़ते हैं, तो इस प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित नहीं की जा सकती।''

कांग्रेस और लेफ्ट...

लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा और मछुआरों समेत स्थानीय समुदायों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

अंबेडकर जयंती पर शक्ति प्रदर्शन

लखनऊ में भारी भीड़ जुटाने की तैयारी

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपनी कवायद शुरू कर दी है । पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती लगातार संगठन की बैठकें ले रही हैं। बसपा के पदाधिकारियों की मानें तो मायावती के निर्देश पर 14 अप्रैल को राजधानी लखनऊ में बड़ा शक्ति प्रदर्शन करने जा रही है। पार्टी अभी से इसकी तैयारी में जुट गई है।

पार्टी के एक पूर्व सांसद ने कहा कि पार्टी 14 अप्रैल को भीम राव अंबेडकर की जयंती पर बड़े आयोजन की तैयारी में जुटी है। यह रैली अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ेगी । यह विरोधी पार्टियों के लिए एक बड़ा संदेश होगा। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता डॉक्टर भीम राव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

बसपा के नेता ने बताया कि हाल ही में लखनऊ में आयोजित पार्टी की बैठक में मायावती ने प्रदेश के सभी 18 मंडलों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को लखनऊ स्थित अंबेडकर स्मारक पर एकत्र होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि खास बात यह है कि इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ता भी लखनऊ में ही जुटेंगे, क्योंकि दलित प्रेरणा स्थल फिलहाल नवीनीकरण कार्य चल रहा है। ऐसे में इस बार रिकॉर्ड भीड़ जुटने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि मायावती ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिवार के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हों, जिससे आयोजन को और व्यापक बनाया जा सके। इससे पहले 9 अक्टूबर 2025 को बसपा ने अपने संस्थापक कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि पर भी लखनऊ में बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें पूरे प्रदेश से कार्यकर्ता जुटे थे। इस कार्यक्रम को 2016 के बाद बसपा का सबसे बड़ा शक्ति प्रदर्शन माना गया था, जहां मायावती ने एक दशक बाद कांशीराम स्मारक पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। इधर,

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 14 अप्रैल का यह आयोजन 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए बसपा के चुनावी अभियान की औपचारिक शुरुआत साबित हो सकता है। हालांकि, इस कार्यक्रम में मायावती की मौजूदगी को लेकर पार्टी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बसपा के सूत्रों की मानें तो पार्टी पदाधिकारी इस आयोजन को भव्य बनाने की तैयारियों में जुटे हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि आगामी विधानसभा चुनाव में अब लगभग एक वर्ष का समय शेष है और प्रदेश के अन्य दल भी अंबेडकर की विरासत को लेकर सक्रिय हैं। दरअसल बसपा खुद को 'बहुजन' विचारधारा की सबसे मजबूत वाहक और अंबेडकर की सच्ची अनुयायी बताती रही है। पार्टी का दावा है कि उसका नेतृत्व बहुजन समाज का प्रतिनिधित्व करता है। गौरतलब है कि कांशीराम ने बामसेफ और डीएस 4 जैसे संगठनों के माध्यम से दलित और पिछड़े वर्गों की आवाज को मजबूत किया था, जिसके बाद बसपा का गठन हुआ। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के राजनीतिक शास्त्र के प्रोफ़ेसर रह चुके ए के सिंह कहते हैं, ल्ल मायावती के लिए 2027 का चुनाव काफ़ी महत्वपूर्ण होने वाला है। पिछले कुछ वर्षों में पार्टी का चुनावी प्रदर्शन कमजोर रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से कार्यकर्तावों का मनोबल गिर रहा है। यही स्थिति रही तो उनका कोर वोटर दूसरी पार्टी में धीरे धीरे शिफ़्ट हो जाएगा। जिससे पार्टी को बड़ा नुक़सान उठाना पड़ेगा। श्री कुमार ने कहा कि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा को केवल एक सीट रसड़ा (बलिया) पर जीत मिली थी और पार्टी का वोट शेयर 12.8 प्रतिशत रहा था। इसके बाद 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में भी पार्टी का प्रदर्शन काफ़ी निराशाजनक रहा था। पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। यही नहीं मायावती के नेतृत्व में पार्टी ने उत्तर प्रदेश और देश भर में सभी सीटों पर हार का सामना किया, जो इसका अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि पार्टी का वोट शेयर भी 10% से अधिक घटकर लगभग 9.24% रह गया था जो पार्टी के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं । ऐसे में आगामी अंबेडकर जयंती का यह आयोजन पार्टी के लिए अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने का महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

पीडीए को जिताएंगे और संविधान बचाएंगे: अखिलेश

प्रभात समय संवाददाता

❒ सपा ने विधानसभा चुनाव के लिए दिया नया नारा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि है कि आज से पीडीए के युवाओं का यही नया नारा है। पीडीए को जिताएंगे, संविधान को बचाएंगे ! उन्होंने कहा है कि पीडीए सरकार बनेगी, तभी संविधान बचेगा, जब संविधान बचेगा तभी अधिकार और आरक्षण बचेगा, तभी युवाओं को भेदभाव के बिना काम-कारोबार-रोजगार के बराबर मौके मिलेंगे, नौकरी मिलेगी। वो अपने घर-परिवार के सपने पूरे कर पाएंगे और सम्मान से जीवन जी पाएंगे। अखिलेश ने शनिवार को कहा कि 'सामाजिक न्याय का राज लाने के महा-लक्ष्य की असीम ऊर्ज़ा से भरे उत्तर प्रदेश के युवा इस बार भाजपा का कोई भी चुनावी घपला, चालबाजी, जालसाजी और घोटाला नहीं चलने देंगे।

पीडीए प्रभारी हर भाजपाई और उनके संगी-साथियों पर पैनी नजर रखेंगे और बाहर के राज्यों से आए नकली वोट डालने वाले चुनावी घुसपैठियों को खदेड़कर, पकड़कर, वीडियो के सबूत सहित पुलिस के हवाले करेंगे। भाजपा को 2027 में देश के सबसे कठिन चुनाव का सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि याद रहे भाजपाई और उनके संगी-साथी उकसाएंगे, प्रतिक्रिया और प्रतिरोध करने को बाध्य करेंगे, लेकिन उनके झांसे में नहीं आना है, अपना आपा, संतुलन और आत्म-नियंत्रण नहीं खोना है। हमें सोच-समझकर, सधकर, शांत होकर चलना है और अपनी युवा ऊर्ज़ा, शक्ति और जोश को सकारात्मक रूप से हर पीड़ित से मिलकर बने 'पीडीए समाज' को हमेशा के लिए पीड़ा, दुख और अपमान से मुक्ति दिलाने के लिए लगा देना है। पीडीए के उत्थान के लिए हमें खुद आगे बढ़ना होगा, हमें खुद ही लड़ना होगा और अपना वक्त खुद ही बदलना होगा।

पंचायत चुनाव में देरी को लेकर सपा का प्रदर्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर जारी सस्पेंस के बीच राजधानी का सियासी माहौल शनिवार को गरमा गया। समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ताओं ने चुनाव में हो रही देरी के विरोध में हजरतगंज चौराहा पर जोरदार प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पोस्टर-बैनर लेकर सड़कों पर उतरे और शीघ्र चुनाव कराने की मांग उठाई।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पंचायत चुनाव लेट हुआ, भाजपा पूरी तरह फ़ेल जैसे नारों वाले पोस्टर लहराते हुए सरकार के प्रति आक्रोश जताया। सपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सरकार जानबूझकर पंचायत चुनाव में देरी कर रही है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। राजधानी के व्यस्त हजरतगंज क्षेत्र में हुए इस प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को संभालते हुए यातायात को जल्द सुचारु करा दिया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पंचायत चुनाव निर्धारित समय पर कराए जाएं और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। साथ ही किसी भी प्रकार की धांधली पर रोक लगाने की भी बात कही गई। सपा नेताओं का कहना है कि सरकार चुनाव से बचने के लिए बहाने बना रही है और यह देरी राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से की जा रही है, जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। सपा कार्यकर्ताओं ने भी इसी मुद्दे को उठाते हुए समय पर चुनाव कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। सपा कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पंचायत चुनाव की घोषणा नहीं की गई, तो उनका आंदोलन और तेज किया जाएगा तथा जरूरत पड़ने पर प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

स्वच्छता रैंकिंग सुधार में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की अहम भूमिका : ए.के. शर्मा

लखनऊ। नगरी निकायों में नगरीय सुविधाओं एवं साफ-सफाई व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए स्थापित डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में वर्ष 2022 से अब तक कुल 3,63,510 शिकायतों के सापेक्ष 3,62,517 शिकायतों का निस्तारण किया गया है। इसके साथ ही लगभग 7000 घंटे का ऐतिहासिक लाइव मॉनिटरिंग कार्य भी संपन्न किया गया है। डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीसीसीसी) के सफल संचालन के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री ए. के. शर्मा ने एक वर्चुअल बैठक की। मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि प्रारंभ में इस केंद्र में हेल्पलाइन नंबर की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन बाद में केंद्र सरकार से समन्वय स्थापित कर 1533 टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया। साथ ही 'संभव' ऑनलाइन पोर्टल भी संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शिकायतकर्ता और संबंधित अधिकारी ऑनलाइन आमने-सामने होकर समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करते हैं। नगर विकास मंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है, लेकिन अभी भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां सुधार की आवश्यकता है। जिन नगरी निकायों की स्वच्छता रैंकिंग नीचे है, उनका विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने आगामी वर्षाकाल के दृष्टिगत सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्लांटेशन एवं अन्य स्वच्छता अभियानों को प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रेहड़ी-पटरी पर कार्य करने वाले लोगों, गरीबों, सफाई कर्मियों एवं मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उनके आवास, आयुष्मान कार्ड एवं स्वच्छता सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए।

20 लाख की ठगी से परेशान बुजुर्ग किसान की गुहार, नगराम पुलिस पर सुनवाई न करने का आरोप

लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील के सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक बुजुर्ग किसान ने करीब 20 लाख रुपये की ठगी, जातिसूचक गालियां और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित का आरोप है कि नगराम थाने में शिकायत करने के बावजूद सुनवाई नहीं हुई, जिसके बाद वह अधिकारियों के सामने पहुंचा। नगराम थाना क्षेत्र के जमालपुर ददुरी निवासी बुजुर्ग किसान मैकू ने शिकायती पत्र देकर बताया कि जमीन खरीदने के नाम पर अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने गाटा संख्या 850 की जमीन बेचने का झांसा देकर उससे 19,95,000 रुपये अपने खाते में जमा करा लिए। आरोप है कि रुपये लेने के बाद आरोपी फरार हो गया और जब पीड़ित अपने पैसे मांगने उसके घर पहुंचा तो आरोपी और उसके पिता ने जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने समाधान दिवस में अधिकारियों से गुहार लगाते हुए अपनी रकम वापस दिलाने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। अधिकारियों ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बुजुर्ग महिला पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला, चार नामजद

बख्शी का तालाब, लखनऊ। इटौंजा थाना क्षेत्र के अटेसुआ गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों द्वारा एक बुजुर्ग महिला पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिन्हें उपचार के लिए भेजा गया है। पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अटेसुआ गांव निवासी मिथलेश कुमारी शुक्रवार रात अपने बेटे को खाना खाने के लिए बुलाने घर के बाहर निकली थीं।

सजावटी मछली पालन व अन्य विभागों के सहयोग से महिलाओं के नेतृत्व में सूक्ष्म उद्यमिता विकास को लेकर महत्वपूर्ण बैठक

लखनऊ। महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म-उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत चयनित स्वयं सहायता समूहों के 50 से अधिक सदस्यों ने अयोध्या के विकास भवन में आयोजित एक संवादात्मक बैठक में हिस्सा लिया। सत्र का उद्देश्य सजावटी मत्स्य पालन क्षेत्र में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त 'मिशन नवशक्ति हब-एंड-स्पोक क्लस्टर मॉडल' के माध्यम से स्थायी आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना था। बैठक में धनलक्ष्मी के. (आईएएस), महानिदेशक, मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश ने महिलाओं के नेतृत्व वाली पहलों से प्रेरणा लेते हुए, विशेष रूप से डेयरी क्षेत्र की सफलता का उल्लेख करते हुए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। डॉ. काजल चक्रवर्ती, निदेशक ने तकनीकी, वैज्ञानिक और संस्थागत सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया, ताकि 'क्लस्टर हब एंड स्पोक मॉडल' के ज़रिए अयोध्या सजावटी मत्स्य पालन क्लस्टर के माध्यम से ग्रामीण अनुसूचित जाति की महिलाओं को सशक्त बनाकर सूक्ष्म उद्यमी बनाने की प्रक्रिया की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। डॉ. पूनम जयंत सिंह, नोडल-राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ ने अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत चल रहे कार्यों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

लखनऊ में बंदूक साफ करते समय चली गोली से व्यक्ति की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम थाना क्षेत्र में शनिवार को लाइसेंसी बंदूक साफ करते समय व्यक्ति की मृत्यु हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन शुरू कर दी। थाना प्रभारी विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि जानकीपुरम के पिंक सिटी मिर्ज़ापुर निवासी प्रकाश मिश्रा (50) आज घर पर अपनी लाइसेंसी बंदूक साफ कर रहे थे। तभी अचानक गोली चल गई, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इस सूचना के मिलते ही मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। घटना की स्पष्ट जांच के लिए घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया, जो साक्ष्यों का संकलन कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए आसपास के लोगों से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्र की जा रही है।

घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना की तीसरी यूनिट का सिंक्रोनाइजेशन, उप्र ऊर्ज़ा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री ए. के. शर्मा के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में ऊर्ज़ा क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। कानपुर के घाटमपुर में तापीय विद्युत परियोजना की 660 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट-3 का सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन पूरा हो गया है। यह उपलब्धि प्रदेश की बढ़ती ऊर्ज़ा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। यह परियोजना नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (एनयूपीपीएल) की ओर से संचालित की जा रही है, जो एनएलसी इंडिया लिमिटेड (51%) एवं उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (49%) का संयुक्त उपक्रम है।

यूनिट-3 का सिंक्रोनाइजेशन 765 केवी ग्रिड से सफलतापूर्वक किया गया, जो परियोजना के वाणिज्यिक संचालन (सीओडी) की दिशा में एक अहम और सराहनीय उपलब्धि है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। परियोजना के पूर्ण रूप से संचालित होने के बाद प्रतिदिन लगभग 47.52 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया जाएगा, जिससे प्रदेश की निरंतर बढ़ती ऊर्ज़ा मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा तथा आमजन को बेहतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। परियोजना की तीसरी इकाई के जुड़ने से प्रदेश की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता बढ़कर लगभग 13,388 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है। ऊर्ज़ा मंत्री ए. के. शर्मा ने शनिवार को इस संबंध में कहा कि यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को ऊर्ज़ा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत और निर्णायक कदम है। राज्य सरकार उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल ऊर्ज़ा क्षेत्र में प्रदेश की प्रगति को दर्शाती है, बल्कि औद्योगिक विकास, निवेश को आकर्षित करने तथा समग्र आर्थिक वृद्धि को भी नई गति प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश अब ऊर्ज़ा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर है, जो प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उल्लेखनीय है कि कानपुर के घाटमपुर में तापीय विद्युत परियोजना की यूनिट-1 एवं यूनिट-2 पहले ही क्रमशः दिसंबर 2024 और दिसंबर 2025 से सफलतापूर्वक संचालन में हैं, जो इस परियोजना की निरंतर प्रगति को दर्शाता है। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय की ओर से निर्धारित आवंटन के अनुसार, इस परियोजना से उत्पादित लगभग 93.11 फीसदी बिजली उत्तर प्रदेश को प्राप्त होगी, जबकि शेष बिजली अन्य राज्यों को आपूर्ति की जाएगी। इससे न केवल प्रदेश की ऊर्ज़ा आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि अंतरराज्यीय ऊर्ज़ा संतुलन को भी मजबूती मिलेगी।

उत्तर प्रदेश की खेल प्रतिभा को बढ़ाने के लिए बीसीसीआई रणजी की चार टीमें बनाए : मोहसिन रजा

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्यमंत्री मोहसिन रज़ा ने प्रदेश के खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) रणजी ट्रॉफी में चार टीम बनाने की मांग की। साथ ही सभी आयु वर्ग के लिए खेले जाने वाले मैच के लिए भी यही मांग की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री मोहसिन रज़ा ने शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी कर उक्त मांग उठाई है।

उन्होंने बीसीसीआई से उत्तर प्रदेश के युवा खिलाड़ियों की उपलब्धता और उनके खेल कौशल को आगे ले जाने में सहयोग किए जाने के उद्देश्य से कई टीमें बनाने की मांग पर ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे 25 करोड़ आबादी और 75 जनपदों वाले राज्य में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं, लेकिन प्रदेश स्तरीय एक ही टीम होने से अवसर बेहद सीमित हैं। वर्तमान व्यवस्था में प्रदेश स्तरीय एक ही टीम होने के कारण हजारों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उचित मंच नहीं मिल पाता। इसको लेकर पूर्व मंत्री रजा सेव उत्तर प्रदेश क्रिकेट मुहिम कई वर्षों से चला रहे हैं। खिलाड़ियों के उत्थान को लेकर एक बार फिर पूर्व मंत्री ने मुखर आवाज दोहराते हुए चार टीमें बनाए जाने की मांग की है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा ऐसी कोई रोक नहीं है कि किसी राज्य से एक से अधिक या चार टीमें नहीं बन सकतीं। इसके लिए उन्होंने महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों में कई टीम होने का हवाला दिया। श्री रजा ने कहा कि रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की चार टीमें बनाने से अधिक खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अवसर मिलेगा। इससे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों (सभी 75 जनपदों) की प्रतिभाओं को समान प्रतिनिधित्व मिल सकेगा।

नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ने बैंक प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। जनपद में आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन तथा अधिकारियों एवं आमजन को लाभान्वित कराये जाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश के निर्देशानुसार सिविल कोर्ट बहराइच के सभागार में विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट)/नोडल अधिकारी, लोक अदालत अरबिंद कुमार गौतम की अध्यक्षता तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री प्रिया कुमारी राय की उपस्थिति में बैंकों के शाखा प्रबन्धकों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। नोडल अधिकारी श्री गौतम द्वारा शाखा प्रबन्धकों को निर्देशित किया गया कि अधिकाधिक संख्या में बैंक वसूली मामलों को चिन्हित कर उनका निस्तारण आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जाये। बैंक प्रबन्धकों से अपेक्षा की गई कि इस बात का प्रयास करें कि पिछले राष्ट्रीय लोक अदालत से अधिक संख्या में बैंक वसूली से सम्बन्धित मामलों का निस्तारण आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में हो। श्री गौतम ने बैंकर्स को निर्देशित किया कि बैंक वसूली मामलों में कम से कम दो बार नोटिसे जारी की जायें। सचिव सुश्री राय को निर्देशित किया गया कि बैंक द्वारा जारी नोटिसों का शत-प्रतिशत तामीला कराया जाये ताकि 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक संख्या में बैंक वसूली मामलों का निस्तारण कराया जा सके। बैठक के दौरान मौजूद बैंक प्रबन्धकों से लोक अदालत की सफलता के सम्बन्ध में सुझाव भी प्राप्त किये गये।

तहसील पयागपुर में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु प्रत्येक माह के प्रथम और तीसरे शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में तहसील पयागपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी पयागपुर सहित अन्य अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील पयागपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त हुए 83 प्रार्थना-पत्रों में से 07 का निस्तारण मौके पर किया गया। इसी प्रकार तहसील नानपारा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 58 में 07, मिहींपुरवा (मोतीपुर) में

18 में 02, कैसरगंज में 72 में 08, महसी में 29 में 03 तथा तहसील सदर में प्राप्त 31 प्रार्थना-पत्रों में से 02 का निस्तारण मौके पर किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री श्रीवास्तव ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील दिवस सहित अन्य स्तरों से प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों का समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाय। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध, प्रभावी एवं पारदर्शी निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता है इसलिए सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से मध्यान्ह 12:00 बजे तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में आने वाले फरियादियों की समस्याओं की सुनवाई करें। इस अवसर पर अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी व थानाध्यक्ष मौजूद रहे।

लावारिस बालक के सम्बंध में मांगी गई जानकारी

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री प्रिया कुमारी राय ने बताया कि एक मन्दबुद्धि बालक जिसकी आयु लगभग 12 वर्ष है, जो अपना नाम अनूप, पिता का नाम संदीप, माता का नाम महामाया तथा ग्राम गायघाट बता रहा है। लावारिस अवस्था में मिला बालक अनूप 13 मार्च 2026 से बाल देखरेख संस्था (सी.सी.आई.) परेड सरकार, पोर्टलगंज, जनपद गोण्डा में आवासित है। सुश्री राय ने बताया कि मन्दबुद्धि बालक द्वारा बताये गये विवरण पर कोई जानकारी नहीं मिल सकी। सचिव ने आमजन से अपेक्षा की है कि लावारिस बालक के सम्बन्ध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच के कार्यालय मो.न. 9415872545 अथवा बाल देखरेख संस्था के चीफ को-आर्डिनेटर उपेन्द्र श्रीवास्तव के मो.न. 9161925672 पर सूचित करने का कष्ट करें।

ट्रंप के दावे और जमीनी सच्चाई

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में राष्ट्र को संबोधित करते हुए यह संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ जारी संघर्ष अभी समाप्त नहीं होगा। उनके अनुसार आने वाले 2S3 सप्ताह में ईरान पर और भीषण हमले किए जा सकते हैं और अमेरिका अपने रणनीतिक लक्ष्यों को जल्द हासिल कर लेगा। ट्रंप ने अपने संबोधन में दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की वायुसेना, नौसेना, मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं को लगभग नष्ट कर दिया है, यहाँ तक कि उसके परमाणु ठिकानों को भी भारी नुकसान पहुँचाया गया है। हालांकि इन दावों के समानांतर कई गंभीर सवाल भी उठ खड़े हुए हैं। ट्रंप का यह बयान कि ईरान अब परमाणु बम बनाने में सक्षम नहीं है, अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के लिए संदेह का विषय बना हुआ है। क्योंकि उपलब्ध रिपोर्ट्स यह संकेत देती हैं कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और उसकी संरचना अभी भी सक्रिय है। ट्रंप ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि वे पिछले राष्ट्रपतियों की गलतियों को सुधार रहे हैं। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध और वियतनाम युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि वे युद्ध लंबे समय तक चले, जबकि ईरान के खिलाफ यह अभियान अभी कुछ ही हफ्तों का है और अमेरिका अपने लक्ष्य के करीब पहुँच चुका है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे कहीं अधिक जटिल है। अमेरिका अब तक इस युद्ध पर लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये खर्च कर चुका है और अतिरिक्त 200 अरब डॉलर के बजट की मांग कर चुका है, जिसे अमेरिकी कांग्रेस ने अभी मंजूरी नहीं दी है। युद्ध का दैनिक खर्च लगभग 9400 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस भारी खर्च का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी दिखने लगा है, जहाँ पेट्रोल की कीमतें 4.06 डॉलर प्रति गैलन तक पहुँच गई हैं, जिससे आम नागरिकों में असंतोष बढ़ रहा है। ईरान की स्थिति और भी चिंताजनक है। वहाँ महंगाई दर 50 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। खाद्यान्न और डेयरी उत्पादों की कीमतों में 100 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। आम जनता के लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना कठिन हो गया है। बाजार में वस्तुओं की उपलब्धता भी एक बड़ी समस्या बन चुकी है। इस संघर्ष का असर केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वैश्विक प्रभाव भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। मध्य-पूर्व के देशों, विशेषकर इज़राइल, पर इसका गंभीर आर्थिक दबाव पड़ा है। हर सप्ताह अरबों डॉलर के खर्च के कारण वहाँ की अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। खाड़ी देशों से लाखों भारतीयों की वापसी ने देश के सामने एक नया आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा कर दिया है। रोजगार के अवसरों पर दबाव बढ़ा है और लौटे हुए लोगों के सामने आजीविका की चुनौती खड़ी हो गई है। इसके अलावा, ऊर्जा क्षेत्र में भी संकट गहराता दिखाई दे रहा है। एलपीजी, एलएनजी और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों में भारी घाटे का अनुमान लगाया जा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, अभी भी तनाव का केंद्र बना हुआ है। यहाँ भारत सहित कई देशों के जहाज फंसे हुए हैं, जिससे व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। हालांकि ईरान द्वारा भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति फिर से शुरू करने की खबर कुछ राहत देती है, लेकिन यह समाधान स्थायी नहीं माना जा सकता। ट्रंप के भाषण की सबसे बड़ी आलोचना यह है कि उसमें कई दावे आधे-अधूरे या अतिरंजित प्रतीत होते हैं। उन्होंने एक ओर कहा कि युद्ध अपने अंतिम चरण में है, वहीं दूसरी ओर यह भी स्पष्ट किया कि संघर्ष जारी रहेगा। यह विरोधाभास उनकी रणनीति और वास्तविक स्थिति के बीच अंतर को उजागर करता है। ईरान ने भी जवाबी रुख अपनाते हुए कहा है कि वह छह महीने तक युद्ध जारी रखने की क्षमता रखता है। इसके अलावा, क्षेत्रीय विद्रोही समूहों द्वारा अमेरिका पर हमले तेज होने की खबरें भी सामने आ रही हैं, जिससे संघर्ष और लंबा खिंचने की आशंका बढ़ गई है। कुल मिलाकर, यह युद्ध केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं रह गया है, बल्कि यह आर्थिक, राजनीतिक और मानवीय संकट का रूप ले चुका है। ट्रंप के दावे भले ही जीत की तस्वीर पेश करते हों, लेकिन वास्तविकता यह है कि इस संघर्ष का कोई स्पष्ट और त्वरित समाधान नजर नहीं आ रहा। दुनिया के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह युद्ध जल्द खत्म होगा या आने वाले समय में और अधिक जटिल और विनाशकारी रूप ले लेगा।

क्षेत्रीय विद्रोही समूहों द्वारा अमेरिका पर हमले तेज होने की खबरें भी सामने आ रही हैं, जिससे संघर्ष और लंबा खिंचने की आशंका बढ़ गई है। कुल मिलाकर, यह युद्ध केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं रह गया है, बल्कि यह आर्थिक, राजनीतिक और मानवीय संकट का रूप ले चुका है। ट्रंप के दावे भले ही जीत की तस्वीर पेश करते हों, लेकिन वास्तविकता यह है कि इस संघर्ष का कोई स्पष्ट और त्वरित समाधान नजर नहीं आ रहा। दुनिया के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह युद्ध जल्द खत्म होगा या आने वाले समय में और अधिक जटिल और विनाशकारी रूप ले लेगा।

अमेरिका के पाखंड की राजनीति

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान तो खुले आम कहते थे कि अमेरिका उनकी सरकार को गिराने के षड्यंत्र करता रहता है। बांग्लादेश में भी शेख हसीना की सरकार गिराने में अमेरिका का ही हाथ था। इस काम के लिए वह इन देशों के शासनाध्यक्षों तक को लोभ लालच से काबू किए रहता है। जो देश अमेरिका के हितों के प्रतिकूल होता है, उस वेनेजुएला के तो राष्ट्रपति तक को अपनी सेना भेज कर उठा लेता है। ईरान में शासन बदलना है, इसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कर रहे हैं। अमेरिका को मजहब की आजादी की चिंता नहीं है। अमेरिका की चिंता केवल इतनी है कि कोई देश ईसाई मिशनरियों के गैर कानूनी कामों में बाधा न पहुंचाए। अमेरिका अभी भी उसी युग में घूम रहा है, जिस युग में जापान का संविधान भी अमेरिका ही बनाता था।

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 1998 में एक अधिनियम पारित किया था जिसे अमेरिका अंतरराष्ट्रीय मजहबी स्वतंत्रता अधिनियम कहता है। इस अधिनियम के तहत अमेरिका का कहना है कि उसके अतिरिक्त दुनिया भर में मजहबी स्वतंत्रता का रक्षक और कोई दूसरा देश नहीं है। इसके आधार पर मजहब को अमरीकी विदेश नीति का प्रमुख आधार बनाया गया है। इस अधिनियम के आधार पर ही वाशिंगटन ने 'अंतरराष्ट्रीय मजहबी स्वतंत्रता अमरीकी आयोग' का गठन किया हुआ है। यह आयोग एक प्रकार से दुनिया भर में फैले अमरीकी दूतावासों को वहां के देशों की आंतरिक स्थिति में दखलअंदाजी का अधिकार प्रदान करता है। यह आयोग दुनिया भर के देशों के बारे में, अमेरिका की विदेश नीति के आधार पर हर साल अच्छे या बुरे होने के प्रमाणपत्र जारी करता है। इसके आधार पर वह कुछ देशों को 'विशेष चिंता करने वाले देश' घोषित करता है। पिछले दिनों अमेरिका ने इस आयोग की सालाना रपट जारी की है जिसमें 2025 का लेखा जोखा देने का दावा किया गया है। इसमें भारत को लेकर बहुत ज्यादा चिंता जाहिर की गई है। भारतीय संसद द्वारा पारित अनेक अधिनियमों को मजहबी स्वतंत्रता में दखलअंदाजी बताया गया है। मसलन अनेक राज्यों के मतांतरण निषेध अधिनियम, गोवध निषेध अधिनियम, नागरिकता अधिनियम, यूनिफार्म सिविल अधिनियम इत्यादि। अमेरिका का मानना है कि भारतीय संसद के ये अधिनियम अमेरिका के आईआरएफ अधिनियम 1998 का उल्लंघन करते हैं।

इसके अतिरिक्त अमेरिका को यह भी दुख है कि भारत सरकार अपने नागरिकों के लिए एक राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार कर रही है जिसमें भारत के सभी नागरिकों का इंदराज किया जाएगा। उसका मानना है कि इस रजिस्टर के बन जाने से मुसलमानों और ईसाइयों की मजहबी स्वतंत्रता के रास्ते में बहुत बड़ी रुकावट आ जाएगी। गोहत्या निषेध प्रावधानों को लेकर भी अमेरिका की चिंता बढ़ी हुई दिखाई देती है। उसके लिहाज से इससे भी मुसलमानों और ईसाइयों को अपने मजहबी क्रियाकलाप करने में दिक्कत आती है। एक दूसरी मजेदार बात का भी जिक्र है। कहा गया है कि भारत में औरंगजेब की कब्र है। उसको लेकर विवाद बढ़ रहा है जिससे मुसलमानों के मजहबी कामों में रुकावट पैदा हो रही है। यानी अमेरिका के लिहाज से 2024 से भारत में हालात बहुत बदल गए हैं। साफ तौर पर तो नहीं कहा गया है, लेकिन चिंता जाहिर करती है कि 2014 से पहले जब परोक्ष रूप से कमान सोनिया गांधी के हाथों में थी, तब देश ठीक-ठाक चल रहा था। जबसे भाजपा सरकार आई है, तब से देश में उथल पुथल मच गई है। मजहबी स्वतंत्रता को गहरा आघात लगा है। कब्र में औरंगजेब चिंतित है और कब्र के बाहर

अमेरिका चिंतित है। इस सारे हालात के लिए अमेरिका ने तथाकथित दोषी भी ढूंढ लिए हैं। इसमें सबसे ऊपर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद हैं। इतना ही शायद काफी नहीं था। इसमें भारत सरकार की संस्था रॉ को भी शामिल किया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का विशेष उल्लेख किया गया है। लेकिन हैरानी की बात है कि अमेरिका की नजर में भारत की मौजूदा हालात के लिए जिम्मेदार तथाकथित दोषियों में, उसने एक प्रमुख घटक का नाम छोड़ दिया है। वह है भारत की जनता। अमेरिका के इस तथाकथित मजहबी स्वतंत्रता के रक्षक आयोग ने यह नहीं कहा कि इस सारे कामों की जिम्मेदार भारत की जनता है, जिसने सोनिया गांधी की पार्टी को हटाकर भारतीय जनता पार्टी को सत्ता ही नहीं सौंप दी, बल्कि लगातार सौंपती जा रही है। हैरानी की एक दूसरी वजह भी है। इस रपट में अमेरिका को केवल यही चिंता है कि भारत में मुसलमानों की मजहबी आजादी में बाधा डाली जा रही है। इसमें शिया पंथ के मानने वालों से किए जा रहे तथाकथित भेदभाव का उल्लेख नहीं है। कहीं ऐसा तो नहीं कि अमेरिका ने बहुत अरसा पहले ही ईरान पर हमला करने का निर्णय कर लिया था। इसलिए शिया पंथ की चर्चा करना रणनीति के हिसाब से ठीक नहीं लगा होगा। अब इस रपट के दूसरे हिस्से की चर्चा जिसका जिक्र इस रपट में नहीं है और न ही होगा।

दरअसल बिल क्लिंटन के समय बनाया गया यह अधिनियम और आयोग अमेरिका की विदेश नीति और भविष्य में की जाने वाली उसकी कार्यवाहियों का संकेत देता है। अमेरिका को अपने राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक व सामरिक हितों के संवर्धन के लिए जो उचित लगता है, उसको प्राप्त करने के लिए वह इस आयोग के माध्यम से वर्षों पहले वातावरण तैयार करता है। यह आयोग इसी नीति के अनुकूल, उस देश को, उसके महत्वपूर्ण व्यक्तियों को नकारात्मक तरीके से पेश करने शुरू कर देता है और कई साल ऐसा करता रहता है। फिर अनुकूल समय देख कर वह स्वयं ही उस देश को मुक्त करवाने के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कार्यवाही शुरू कर देता है। 2014 से कुछ साल पहले मेरी एक पुस्तक 'राष्ट्रीय चेतना को चुनौती' प्रकाशित हुई थी। उसमें मैंने आशंका जाहिर की थी कि यदि भारत में भाजपा सत्ता में आ जाती है तो अमेरिका धीरे-धीरे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को उग्र संगठन के रूप में प्रचारित करना शुरू कर देगा। भारत के भीतर की ही कुछ ताकतें अमेरिका के स्वर में स्वर मिलाना शुरू कर देंगी और फिर अमेरिका भारत में दखलअंदाजी के रास्ते तलाश करेगा। मुझे लगता है अमेरिका के इस तथाकथित मजहबी स्वतंत्रता आयोग की इस रपट को इस परिप्रेक्ष्य में भी देखना चाहिए। अमेरिका को मजहबी आजादी की आड़ में भी दूसरे देशों की सरकारें उलटने में महारत हासिल है। ईरान की सरकार को पलटने की जो कोशिशें की जा रही हैं, उसके पीछे भी कहीं न कहीं इयातुल्ला खामेनेई, जिनकी हत्या कर दी गई है, की भी मजहबी नीति को ही आधार बनाया गया है। अमेरिका का यह आयोग धमकी भी देता है कि भारत को हथियार देना बंद कर देना चाहिए। इस आयोग की रपट कई सवाल पैदा करती है। क्या अमेरिका यह मान कर चलता है कि दुनिया के किस देश में व्यवस्था के लिए कैसा संविधान होना चाहिए, इसका फैसला वह देश नहीं करेगा बल्कि यह फैसला अमेरिका करेगा। किसी देश में क्या कानून बनेगा, उसका फैसला भी अमेरिका ही करेगा। लेकिन सबसे बड़ी हैरानी यह है कि अमेरिका दुनिया भर में उन देशों के साथ खड़ा रहता है जो लोकतंत्र की जगह तानाशाही शासन व्यवस्था के हामी हैं। यहां तक कि अमेरिका लोकतांत्रिक देशों की सरकारें उखाड़ने में भी सक्रिय रहता है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान तो खुले आम कहते थे कि अमेरिका उनकी सरकार को गिराने के षड्यंत्र करता रहता है। बांग्लादेश में भी शेख हसीना की सरकार गिराने में अमेरिका का ही हाथ था। इस काम के लिए वह इन देशों के शासनाध्यक्षों तक को लोभ लालच से काबू किए रहता है। जो देश अमेरिका के हितों के प्रतिकूल होता है, उस वेनेजुएला के तो राष्ट्रपति तक को अपनी सेना भेज कर उठा लेता है। ईरान में शासन बदलना है, इसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कर रहे हैं। अमेरिका को मजहब की आजादी की चिंता नहीं है। अमेरिका की चिंता केवल इतनी है कि कोई देश ईसाई मिशनरियों के गैर कानूनी कामों में बाधा न पहुंचाए। अमेरिका अभी भी उसी युग में घूम रहा है, जिस युग में जापान का संविधान भी अमेरिका ही बनाता था। उस संविधान का ही कारनामा है कि जापान में अमेरिका की मिशनरियां वहां की संस्कृति को खा रही हैं। जापान में इसके विरोध में स्वर उठ रहे हैं। लेकिन अपने यहां अमेरिका मजहब की स्वतंत्रता उतनी ही देता है जितनी उसे अपना मुखौटा बनाए रखने के लिए जरूरी है। बहरहाल, अमेरिका को चिंता करने की जरूरत नहीं है, चिंतन और आस्था की स्वतंत्रता भारत के स्वभाव में है। उसके लिए अब्राहमी स्वभाव के अमेरिका से शिक्षा लेने की जरूरत नहीं है।

अतीत का पुनर्जन्म, भविष्य का उद्घोष, राष्ट्रचेतना का महाजागरण

सुरेश गांधी

गंगा की धारा जब समय से संवाद करती है, तो इतिहास केवल स्मृति नहीं रहता, वह अनुभव बन जाता है। काशी की उसी अनंत चेतना में जब सम्राट विक्रमादित्य की गाथा गूंजी, तो लगा मानो सदियों पुराना स्वर्णिम भारत फिर से सांस लेने लगा हो। महाकाल की भस्म आरती, वैदिक मंत्रों की गूंज, घोड़ों की टाप और तलवारों की चमक के बीच मंच पर जो दृश्य उभरा, वह केवल एक नाट्य प्रस्तुति नहीं था, वह भारतीय आत्मा का पुनर्ज़ागरण था। तीन दिवसीय 'सम्राट विक्रमादित्य महोत्सव' का भव्य शुभारंभ काशी को कुछ घंटों के लिए प्राचीन भारत के उस युग में ले गया, जहां न्याय व्यवस्था केवल शासन नहीं, बल्कि धर्म था; जहां राजा केवल शासक नहीं, बल्कि लोककल्याण का प्रतीक था। मतलब साफ है गंगा के तट पर बसी काशी ने शुक्रवार की शाम केवल एक कार्यक्रम नहीं देखा, उसने अपने इतिहास को जीया।

बीएलडब्ल्यू के सूर्य सरोवर मैदान में जैसे ही महाकाल की भस्म आरती की झलक उभरी, वैदिक मंत्र गूंजे और घोड़ों की टाप के साथ सम्राट विक्रमादित्य मंच पर अवतरित हुए, पूरा परिसर जयघोष से थर्रा उठा। पूरी काशी को कुछ घंटों के लिए प्राचीन भारत के स्वर्णिम युग में बदल दिया। हजारों दर्शकों की भीड़ देर रात तक टकटकी लगाए उस इतिहास को देखती रही, जिसे अब तक किताबों में पढ़ा जाता था। यह मंचन अपने पैमाने और प्रस्तुति दोनों में असाधारण रहा। एक साथ तीन विशाल मंच, 225 कलाकार, 18 घोड़े, 2 रथ, 4 ऊंट, 1 हाथी और 1 पालकी, इन सबने मिलकर ऐसा दृश्य रचा कि दर्शक खुद को उसी कालखंड का हिस्सा महसूस करने लगे। सम्राट विक्रमादित्य का जन्म, राजतिलक, युद्ध कौशल, न्याय व्यवस्था, विक्रम-बेताल की कथा और धर्म रक्षा, हर प्रसंग को इतनी जीवंतता से प्रस्तुत किया गया कि हर दृश्य पर तालियों की गूंज उठती रही। हर दृश्य एक कहानी कहता था, सम्राट विक्रमादित्य का जन्म, उनका संघर्ष, राजतिलक, शकों पर विजय, न्याय की स्थापना और विक्रम-बेताल की रोचक कथा। मंचन की गति और संवादों की शक्ति ने दर्शकों को बांधे रखा।

सम्राट विक्रमादित्य के प्रवेश का दृश्य पूरे आयोजन का चरम था। जैसे ही वे मंच पर आए, दर्शकों के भीतर उत्साह की लहर दौड़ गई। उनकी वेशभूषा, संवाद अदायगी और व्यक्तित्व ने उस ऐतिहासिक चरित्र को जीवंत कर दिया, जिसे अब तक केवल कथाओं में सुना जाता था। घोड़ों की टाप और युद्ध के दृश्य इतने वास्तविक थे कि दर्शकों को लगा जैसे वे किसी ऐतिहासिक युद्ध के प्रत्यक्ष साक्षी हों। वैसे भी भारत की पहचान उसकी निरंतरता में है। यहां समय रुकता नहीं, बल्कि परंपरा बनकर आगे बढ़ता है। काशी में आयोजित यह महोत्सव उसी निरंतरता का सजीव उदाहरण बनकर सामने आया। यह आयोजन केवल अतीत को याद करने का प्रयास नहीं, बल्कि उसे वर्तमान में पुनर्स्थापित करने का साहसिक प्रयास था। दर्शक दीर्घा में बैठे हजारों लोग केवल दर्शक नहीं थे, वे उस युग के सहभागी बन चुके थे, जहां न्याय, पराक्रम और धर्म की स्थापना ही जीवन का उद्देश्य था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भाषण पूरे आयोजन का केंद्रीय बिंदु बनकर उभरा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य का मार्गदर्शन है। ल्लसम्राट विक्रमादित्य केवल एक राजा नहीं थे, बल्कि न्याय, धर्म और लोककल्याण के प्रतीक थे। यह मंचन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।ङ्क योगी ने तीखे अंदाज में कहा कि एक समय समाज में खलनायकों को ही नायक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे पीढ़ियां भ्रमित हुईं। उन्होंने मंच, सिनेमा और कला से जुड़े लोगों को संदेश दिया कि वे राष्ट्र और समाज को दिशा देने वाले आदर्श प्रस्तुत करें। उन्होंने काशी-उज्जैन के सांस्कृतिक संबंध को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का जीवंत उदाहरण बताया और कहा कि काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद वैश्विक स्तर पर भारत की आध्यात्मिक पहचान और मजबूत हुई है।

पचास फीसद सीट वृद्धि पर भ्रामक है कांग्रेस का विमर्श

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वर्तमान बजट सत्र के दौरान लोकसभा की सीटों में पचास प्रतिशत वृद्धि के संभावित प्रस्ताव को लेकर देश की राजनीति में एक नया विमर्श खड़ा किया जा रहा है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे दक्षिण और छोटे राज्यों के खिलाफ एक ल्लसाजिशङ्क के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है, परंतु इस पूरे मुद्दे का विश्लेषण यह संकेत देता है कि यह विमर्श तथ्यों से अधिक आशंकाओं और राजनीतिक पूर्वाग्रहों पर आधारित है। इसे कांग्रेस की ल्लनासमझी की पराकाष्ठाङ्क कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा!

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि भारत की संसद और विशेष रूप से लोकसभा की संरचना समय के साथ स्थिर नहीं रही है, इसमें कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। 1952 में पहली लोकसभा के गठन के समय कुल सीटों की संख्या 489 थीं, 1957 में सीटों की संख्या बढ़कर 494 हो गई। 1967 के परिसीमन के बाद सीटों की संख्या बढ़कर 520 कर दी गई जोकि 1973 (31वां संविधान संशोधन) जब सीटों की संख्या में बड़ी वृद्धि की गई। 1971 की जनगणना के आधार पर 1977 तक सीटों को 525 से बढ़ाकर 545 (543 निर्वाचित + 2 मनोनीत) कर दिया गया। वस्तुतः कांग्रेस को यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि यह वृद्धि देश की बढ़ती जनसंख्या और प्रतिनिधित्व की आवश्यकता को ध्यान में रखकर की गई थी।

इसके बाद 42वां संविधान संशोधन (1976) के तहत परिसीमन की प्रक्रिया को वर्ष 2001 तक स्थगित कर दिया गया। बाद में 84वां संविधान संशोधन के माध्यम से इस स्थगन को 2026 तक बढ़ा दिया गया। इसका उद्देश्य था कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास किए हैं, उन्हें प्रतिनिधित्व में नुकसान न हो। यही संदर्भ बताता है कि संसद की सीटों का निर्धारण एक जटिल और संतुलित प्रक्रिया है, न कि किसी एक सरकार की मनमानी का परिणाम। ऐसे में कांग्रेस द्वारा यह आरोप लगाना कि नरेंद्र मोदी सरकार जबरन पचास फीसद सीट वृद्धि का बिल ला रही है, तथ्यों से परे प्रतीत होता है। नए संसद भवन में लोकसभा के लिए 888 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था की गई है, जो भविष्य में होने वाली संभावित वृद्धि की ओर संकेत करती है।

अब वर्तमान में 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना के आधार पर सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 800+ करने के प्रस्तावों पर चर्चा चल रही है। जिसमें कि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपने बयान में दक्षिणी राज्यों को संभावित नुकसान की बात कही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की सीटों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया, परंतु उनका यह तर्क अधूरा है क्योंकि यह केवल संख्यात्मक वृद्धि को देखता है, प्रतिनिधित्व के व्यापक सिद्धांत को नहीं। वस्तुतः वे कैसे भूल सकते हैं कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का मूल आधार जनसंख्या होती है। यदि किसी राज्य की जनसंख्या अधिक है तब स्वाभाविक रूप से उसके प्रतिनिधियों की संख्या भी अधिक होगी। यह सिद्धांत न सिर्फ भारत में बल्कि विश्व के अधिकांश लोकतंत्रों में लागू होता है। ऐसे में यदि उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर 120 होती हैं और तमिलनाडु की 39 से 59 तो यह वृद्धि अनुपातिक ही मानी जाएगी। इसके अलावा, यह भी ध्यान देने योग्य है कि प्रस्तावित वृद्धि सभी राज्यों में समान प्रतिशत (50फीसद) के आधार पर की जा रही है। इससे किसी भी राज्य के वर्तमान अनुपात में तत्काल कोई बदलाव नहीं होगा। कांग्रेस का यह दावा कि इससे ल्लगहरे प्रभावङ्क होंगे, अधिकतर काल्पनिक आशंकाओं पर आधारित है। मनीष तिवारी ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए परिसीमन को फ्रीज करने या नया फार्मूला खोजने की बात कही है, किंतु यह दृष्टिकोण भी व्यवहारिक नहीं लगता। यदि जनसंख्या बढ़ रही है और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को प्रभावी बनाना है, तब सीटों की संख्या बढ़ाना एक स्वाभाविक और आवश्यक कदम है। महिला आरक्षण के संदर्भ में भी इस प्रस्ताव को देखा जाना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए सीटों की संख्या बढ़ाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता है। इससे वर्तमान प्रतिनिधियों की सीटें सुरक्षित रहने के साथ ही नए अवसर भी पैदा होंगे। वहीं कांग्रेस का यह तर्क देना कि इससे दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों को नुकसान होगा, एक प्रकार से क्षेत्रीय असंतोष को बढ़ावा देने का प्रयास प्रतीत होता है। जबकि वास्तविकता यह है कि परिसीमन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, जोकि सभी राज्यों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेता है। अरे, इसका तो गठन ही जनगणना के आधार पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करने के लिए होता है। जिसे स्वयं राष्ट्रपति अनुच्छेद 82 के अंतर्गत करते हैं। इस संबंध में अब तक एतिहासिक संदर्भ यही बताते हैं कि संसद में परिवर्तन हमेशा व्यापक सहमति और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत हुए हैं। चाहे वह 1976 का संशोधन हो या 2001 का, सभी निर्णयों का उद्देश्य देश की एकता और लोकतांत्रिक संतुलन को बनाए रखना रहा है। आज जब भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, तब संसद की संरचना को भी समय के अनुसार विकसित करना आवश्यक है। जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना वर्तमान भारतीय लोकतांत्रिक आवश्यकता है, निश्चित ही यह शासन की प्रभावशीलता को भी बढ़ाएगा। कुल सार रूप में यहां कहना यही है कि आज कांग्रेस का इस मुद्दे पर खड़ा किया गया विमर्श तथ्यों की बजाय राजनीतिक आशंकाओं पर आधारित है। संसद की सीटों में वृद्धि एक दीर्घकालिक और आवश्यक सुधार है, जिसे क्षेत्रीय दृष्टिकोण से नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए, इसलिए जरूरी यह है कि इस विषय पर गंभीर और तथ्यात्मक चर्चा हो, न कि भ्रम और भय फैलाने वाली राजनीति। हम सतत एक मजबूत, संतुलित और समावेशी लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ते रहें, इसके लिए यही आवश्यक है कि देश में राजनीतिक या सामाजिक स्तर पर कोई झूठा नैरेटिव न गढ़े, जोकि इस वक्त कांग्रेस गढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रबन्धक: आस्था श्रीवास्तव, मोबाइल: 9415089955

जन शिकायतों को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारित किया जाए : जिलाधिकारी

❑ डीएम की अध्यक्षता में नरैनी तहसील में हुआ समाधान दिवस का आयोजन

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। जिलाधिकारी बाँदा श्रीमती जे0रीभा की अध्यक्षता में तहसील नरैनी में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्धता एवं गुणवत्ता से निस्तारण किया जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विद्युत, राजस्व, पुलिस, विकास, आपूर्ति विभाग एवं अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त हुई, कुल 52 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से मौके पर 05 शिकायतों का निस्तारण किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अवशेष जन शिकायतों को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारित किया जाए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक फरियादी द्वारा चकरोड की जमीन पर कब्जा किये जाने की शिकायत पर लेखपाल नेहरी को जांच कर कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। एक फरियादी द्वारा राजस्व अभिलेख खतौनी में आधार कार्ड के अनुसार नाम दर्ज कराने के प्रार्थना पत्र पर सम्बन्धित लेखपाल को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

ग्राम पुकारी में एक फरियादी द्वारा विद्युत मीटर खराब होने की शिकायत देने पर अधिशाषी अभियंता विद्युत को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। एक फरियादी द्वारा उसके घर पर कब्जा करने की शिकायत पर एसएचओ नरैनी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों के ऑनलाइन आवेदन के प्रार्थना पत्रों की जांच करने के साथ पात्रता पर लाभ दिलाये जाने के निर्देश दिये। अधिशाषी अभियंता जल निगम के सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित रहने पर नाराजगी व्यक्त की। सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील नरैनी में पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को सुनते हुए निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों को दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी नरैनी अमित शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित सम्बन्धित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विद्यार्थी परिषद ने ज़िलाधिकारी को ज्ञापन सौंप की कार्यवाही की मांग

❑ दशकों पुराने बरगद के पेड़ को पूरी तरह छटवाने का किया विरोध

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। पं. जवाहरलाल नेहरु महाविद्यालय बांदा की जहाँ महाविद्यालय के अंदर के छावदार बरगद के पेड़ को साजिस के तहत प्राचार्य के. एस. कुशवाहा ने पूरी तरह छटवाकर बोले बरगद के पेड़ को हाथी खा गया । इसी का विरोध करते हुए विद्यार्थी परिषद के सह जिला संयोजक छात्रनेता कार्तिकेय गुप्ता ने जिलाधिकारी को सैकड़ो कार्यकर्ताओं व छात्रों के साथ ज्ञापन सौप विरोध प्रदर्शन दर्ज किया । छात्रनेता कार्तिकेय गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है जो छात्रहितों के साथ साथ सामाजिक कार्यों में विगत 76 वर्षों से अग्रणी रहा है जो विकासार्थ विद्यार्थी आयाम के माध्यम से जल जंगल जमीन जन जानवर के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करता है , परंतु पं. जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय ने भीषण गर्मी के चलते महाविद्यालय के दशकों पुराने बरगद के पेड़ को छतवा दिया जिसके नीचे विद्यार्थी बैठे कर फाइल कार्य एवं अध्ययन करते है और पूछे जाने पर कहते है की हाथी ने पेड़ को खा लिया । परंतु महाविद्यालय के छात्रों का कहना है कि उस पेड़ से ना तो महाविद्यालय के भवन को कोई नुकशान था और ना ही उसको किसी हाथी ने खाया । छात्रनेता कार्तिकेय गुप्ता ने कहा राष्ट्रीय वृक्ष बरगद के पेड़ को उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1976 के तहत छटवाने के लिए वन विभाग की लिखित अनुमति की आवश्यकता होती है जबकि वह भी प्राचार्य महोदय के पास नहीं है इस झकझोर देने वाली भीषण गर्मी में पेड़ का पूरी छतवाना महाविद्यालय प्राचार्य की छात्रों व पर्यावरण के प्रति उदासीनता एवं संवेदनशीलता स्पष्ट देखी जा सकती है । ना तो महाविद्यालय के अधिकतर पंखे चलते और ना ही महाविद्यालय में कक्षाएं संचालित होती है ।

सहायक एसपी ने बाल विवाह, किशोर अपराधों को की मासिक समीक्षा बैठक

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। एसजेपीयू एवं जनपदीय बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न स्टेकहोल्डर्स की बैठक को आज सहायक पुलिस अधीक्षक बांदा/ क्षेत्राधिकारी नगर सुश्री मेविस टाक की अध्यक्षता में किया गया । इस दौरान बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बाल विवाह की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाने तथा मानक संचालन प्रक्रिया को अपनाने पर बल दिया गया । साथ ही बाल विवाह में सेवाएं देने वाले टेंट हाउस एवं कैटरर्स आदि पर प्रतिबंध लगाया जाए । बाल विवाह का मामला पाए जाने पर लड़की एवं लड़के के माता-पिता सहित विवाह संपन्न कराने वाले व्यक्तियों, टेंट हाउस तथा कैटरर्स के विरुद्ध विधिक कार्यवाही के बारे में जानकारी दी गई । साथ ही बाल श्रम मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने हेतु निरंतर कार्यवाही पर जोर दिया गया । जनपद में हो रहे विवाह आयोजनों में टेंट हाउस एवं कैटरर्स द्वारा नाबालिग बच्चों से रात्रि में कार्य कराए जाने पर चिंता व्यक्त की गई तथा इसे रोकने हेतु टेंट हाउस एवं कैटरर्स के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने की आवश्यकता को देखते दिशा निर्देश दिए गए । गुमशुदा बच्चों को खोजने तथा उनकी सूचना समय से ब्ब्ज्छै एवं वात्सल्य पोर्टल में फीडबैक के साथ अपडेट किए जाने हेतु निर्देशित किया गया । बरामद बालिकाओं के नियमानुसार आंतरिक चिकित्सीय परीक्षण कराए जाने की प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया। महिला पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपराध से पीड़ित होने की स्थिति में आवश्यकता अनुसार काउंसलिंग कराते हुए आंतरिक चिकित्सीय परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाए । पीड़िता के धारा 180 ठछै के अंतर्गत बयान केवल महिला उपनिरीक्षक या उससे ऊपर के अधिकारी द्वारा ही दर्ज किए जाएं । पीड़िता द्वारा दिए गए बयानों की पुष्टि कॉल रिकॉर्ड तथा परिजनों के बयानों से भी की जाए । पीड़िता जितने दिन बाहर रही, कहाँ-कहाँ रही, किसके साथ रही तथा उसके साथ क्या अपराध हुआ,इन सभी तथ्यों से संबंधित पर्याप्त एवं सुसंगत साक्ष्य संकलन किए जाने हेतु विवेचकों को निर्देशित किया गया । ऐसी बालिकाएं जो चार माह से अधिक समय से बरामद नहीं हुई हैं, उनके मामलों में उनके लैंगिक शोषण की संभावना मानते हुए विवेचना कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए । साथ ही पीड़ित बच्चों की गोपनीयता बनाए रखते हुए उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर उनके संरक्षण, देखरेख एवं पुनर्वास को सुनिश्चित किये जाने हेतु भी निर्देशित किया गया ।ऐसे किशोर जिनके द्वारा कोई अपराध कारित किया गया है, उनके मामलों में नियमानुसार किशोर न्याय बोर्ड को भेजा जाए । चरित्र सत्यापन के समय यह सुनिश्चित किया जाए कि यदि अपराध 18 वर्ष से कम आयु में कारित किया गया हो, तो किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ही कार्यवाही एवं सत्यापन किया जाए ।

आयुक्त ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पैलानी का औचक निरीक्षण

❑ मरीजों को शीतल पेयजल, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता करें सुनिश्चित: आयुक्त

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। आयुक्त चित्रकूट धाम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पैलानी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र में साफ-सफाई,पेयजल व्यवस्था,चिकित्सकों की उपस्थिति,दवाओं की उपलब्धता एवं भवन की स्थिति संतोषजनक पाई गई। आयुक्त अजीत कुमार ने निर्देशित किया कि गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए मरीजों को शीतल पेयजल,पर्याप्त बैठने की व्यवस्था,दवाओं की उपलब्धता तथा हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की जाएँ। साथ ही कमिश्नर ने मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने के निर्देश भी दिए। इसके बाद कमिश्नर ने उच्च प्राथमिक विद्यालय पैलानी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान समस्त शिक्षक शिक्षण कार्य करते हुए उपस्थित मिले। लेकिन विद्यालय परिसर के बाहर कूड़े का ढेर पाया गया। जिस कमिश्नर ने नाराजगी जताते हुए तत्काल सफाई कराने हेतु उपजिलाधिकारी पैलानी को निर्देशित किया। आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी शिक्षक समय से विद्यालय आएं।

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें, छात्र-छात्राएं नियमित रूप से विद्यालय व निर्धारित ड्रेस में उपस्थित हों। तथा मिड-डे-मील योजना के अंतर्गत रोस्टर के अनुसार पौष्टिक एवं गुणवत्तायुक्त भोजन वितरित किया जाए। साथ ही कमिश्नर ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। इसके उपरांत आयुक्त ने मण्डी समिति पलरा स्थित गेहूँ क्रय केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गेहूँ खुले में रखा पाया गया। मौके पर उपस्थित कृषकों ने बताया कि अभी तक उनकी उपज की खरीद नहीं की गई है। केंद्र प्रभारी द्वारा आवश्यक संसाधनों मार्का,बोरा, कांटा,बैनर एवं स्टेशनरी आदि की उपलब्धता न होने तथा उच्च स्तर से निर्देश प्राप्त न होने की जानकारी की बात कही जा रही है। इस पर आयुक्त अजीत कुमार ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्भागीय खाद्य नियंत्रक,चित्रकूटधाम मण्डल से स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने तत्काल प्रभाव से क्रय कार्य प्रारंभ कराने,किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने एवं गेहूँ के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।आयुक्त ने यह भी निर्देश दिये कि जनपद में संचालित सभी गेहूँ क्रय केन्द्रों पर पर्याप्त संसाधन, पारदर्शी खरीद व्यवस्था एवं समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जाए। जिससे किसानों को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े, इसके लिए समुचित प्रबंधन एवं निगरानी व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। गर्मी के दृष्टिगत आयुक्त ने सभी विभागों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। सार्वजनिक स्थलों, स्वास्थ्य केन्द्रों एवं विद्यालयों में पेयजल, छाया एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने,हीट वेव से बचाव हेतु जन-जागरूकता अभियान चलाने तथा आवश्यकतानुसार राहत उपाय तत्काल लागू करने को कहा है।

सीएम के स्कूल चलो अभियान एवं नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार योगी आदित्यनाथ द्वारा वाराणसी में आयोजित स्कूल चलो अभियान एवं निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्टेझ्रट के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य 06 से 14 वर्ष तके बच्चों का अधिक से अधिक नामांकन विद्यालयों में कराया जाना है। यह कार्यक्रम पूरे प्रदेश में बच्चों के शिक्षित करने हेतु चलाया जा रहा है। उन्होंने छूटे हुए बच्चों का शत्प्रतिशत दाखिला विद्यालयों में कराये जाने तथा बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए बालिकाओं का शत्प्रतिशत नामांकन विद्यालयों में कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में सरकार द्वारा विशेष सुविधायें दी जा रही हैं तथा ऑपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा के स्तर में सुधार हुआ है। उन्होंने इस अभियान को जन सहभागिता से गॉव एवं शहरों में जनजागरण हेतु चलाये जाने को कहा। उन्होंने आंगनबाडी केन्द्रों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को प्राइमरी शिक्षा दिलाने के लिए प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश दिलाये जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षा हेतु कोई भी ड्राप आउट बच्चा पंजीकरण से छूटने न पाये। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में आमूल चूल परिवर्तन हुआ है, जिसके अन्तर्गत विद्यालय में बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के साथ निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, ड्रेस, मिड डे मील सहित अन्य सुविधायें दी जा रही हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती जे0 रीभा ने कहा कि मिशन कायाकल्प के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में महत्वपूर्ण स्थापना एवं मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करायी गयी हैं।

आंधी में उखड़ गए 100 से ज्यादा पोल दर्जनभर ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त

प्रभात समय संवाददाता

हाथरस। हाथरस में तेज आंधी और बारिश से बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। तेज हवाओं के कारण 100 से अधिक बिजली के खंभे गिर गए, जबकि 12 से 13 ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त होकर जमीन पर आ गए।

इस घटना से सादाबाद के मिढ़ावली, बिसावर सहित पूरे देहात क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। कई गांवों में रात से ही बिजली गुल है, जिससे लोगों को पेयजल और अन्य दैनिक कार्यों में कठिनाई हो रही है। बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता अमित कुमार ने शनिवार को बताया कि आंधी के तुरंत बाद से ही विभाग की टीमें राहत और मरम्मत कार्य में जुट गई हैं। अधिकारी और कर्मचारी रात से ही लगातार पेट्रोलिंग कर क्षतिग्रस्त लाइनों और गिरे हुए खंभों का जायजा ले रहे हैं। तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर बिजली की लाइनें टूटकर जमीन पर गिर गईं, जिससे भारी लाइन लॉस हुआ है। विभाग प्राथमिकता के आधार पर उन स्थानों पर नए खंभे लगा रहा है जहां नुकसान अधिक हुआ है।

अधिशासी अभियंता ने आगे बताया कि जिन जगहों पर ट्रांसफॉर्मर और जोड़ा क्षतिग्रस्त हुए हैं, वहां नई सामग्री पहुंचाई जा रही है। विभाग का प्रयास है कि जल्द कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति आंशिक रूप से बहाल कर दी जाए। हालांकि, पूरी व्यवस्था सामान्य होने में कुछ और समय लग सकता है। तेज आंधी का असर बाजार और ग्रामीण इलाकों में भी देखा गया। कई दुकानों पर लगे टीन शेड, तिरपाल, छप्पर, बोर्ड और होर्डिंग्स तेज हवा के कारण उड़ गए। कुछ स्थानों पर पेड़ और उनकी बड़ी डालियां टूटकर सड़कों व बिजली लाइनों पर गिर गईं, जिससे आवागमन भी प्रभावित हुआ।

क्विक न्यूज

जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने वाले एक अन्य वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

बांदा। जिले में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में आज थाना मटौंध पुलिस द्वारा कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग कर फर्जी जमीन की रजिस्ट्री करने वाले 01अन्य वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है । गौरतलब हो कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के खुटला निवासी देबिया पुत्र चौतुवा द्वारा 12 फरवरी 26 को थाना मटौंध पर सूचना दी गई कि 6 अगस्त 25 को उनकी जमीन को कुछ लोगों द्वारा योजना बनाकर कूटरचित दस्तावेजों व आधार कार्ड का प्रयोग कर उनकी हटेटी पुरवा की लगभग 34 बीघा जमीन की फर्जी रजिस्ट्री बिजली खेड़ा निवासी आजम खान के नाम कर दी । जिसके सम्बन्ध में थाना मटौंध पर अभियोग पंजीकृत करते हुए थाना मटौंध पुलिस द्वारा पूर्व में ही 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है । घटना मे शामिल अन्य अभियुक्तो की गिरफ्तारी के क्रम में आज थाना मटौंध पुलिस द्वारा एक अन्य अभियुक्त को दुरेड़ी मोड के पास से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त का नाम रिजवान खान पुत्र जमाल खान निवासी जरैली कोठी थाना कोतवाली नगर जनपद बांदा है।

अपर एसपी ने थाना बिसण्डा का किया आकस्मिक निरीक्षण

बांदा। शनिवार को अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज द्वारा थाना बिसण्डा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । इस दौरान थाना अभिलेखों एवं रजिस्टरों का अवलोकन कर उन्हे अद्यावधिक करने के निर्देश दिए गए । निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी से उनके थाना क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं के ग्राफ के बारे में जानकारी ली गई साथ ही निर्देशित किया गया कि ऐसे हॉटस्पॉट को चिन्हित करें जहां रात्रि के समय आपराधिक घटनाएं अधिक होती हैं तथा ऐसे स्थानों पर पुलिस निरंतर भ्रमणशील रहे । अपराधों की समीक्षा के क्रम में माल मुकदमाती वाहनों के निस्तारण के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया । साथ ही बताया कि महिलाओं से सम्बन्धित प्रार्थना पत्रों पर विशेष ध्यान देकर जल्द से जल्द निस्तारण किया जाये । निरीक्षण के दौरान थाने मे विवेचनाओं की समीक्षा, अपहर्ताओं की बरामदगी के निर्देश दिये गए साथ ही वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी व लम्बित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण कराना सुनिश्चित करें ताकि प्रभावी पैरवी के माध्यम से अभियुक्तों को जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके ।

बहन को जबरन बेचकर हरियाणा में विवाह कराने वाले भाई को किया गया गिरफ्तार

बांदा। जनपद में बाल भिक्षावृत्ति/बालश्रम की रोकथाम, किशोर न्याय संरक्षण, बाल विवाह, एवं मानव तस्करी की रोकथाम आदि हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में आज थाना एंटी ह्युमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा बहन को 01 लाख 38 हजार रूपए मे बेचकर व जबरन विवाह कराने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । गौरलतब हो कि जनपद चित्रकूट की रहने वाली एक पीड़िता द्वारा 22 नवंबर 25 को थाना एएचटीयू जनपद बांदा पर दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया कि 20 नवंबर 25 को उसकी माता मुन्नी एवं भाई जयनारायण ने उसे जनपद बांदा लाकर जबरन हरियाणा के कृष्ण कुमार पुत्र शिवराम नामक एक अनजान व्यक्ति को 1,38,000 में बेच दिया तथा उसकी जबरन शादी करा दी, जबकि पीड़िता पूर्व से ही शादीशुदा है । पीड़िता द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों एवं प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट बांदा द्वारा तत्काल सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । विवेचना के दौरान एकत्र पीड़िता के विस्तृत बयान, भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्यों, तथा अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस टीम लगातार आरोपितों की तलाश में सक्रिय थी । इसी क्रम में आज मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने उसके भाई जयनारायण को कालु कुआं रोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है । शेष सह-अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा घटना से जुड़े मानव तस्करी के पूरे नेटवर्क की कड़ियों की गहनता से जांच की जा रही है ।

मिनी बाईपास से किला तक चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, वसूला 70 हजार जुर्माना

प्रभात समय संवाददाता

बरेली। बरेली में शनिवार को नगर निगम ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। मिनी बाईपास से लेकर किला क्षेत्र तक टीम ने सड़क और फुटपाथ पर कब्जा जमाकर बैठे लोगों पर कार्रवाई की। बुलडोजर चलाकर अवैध कब्जे हटाए गए, सामान जब्त किया गया और मौके पर ही 70 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

नगर आयुक्त के निर्देश पर प्रवर्तन दल ने सबसे पहले मिनी बाईपास रोड पर कार्रवाई की। यहां सड़क किनारे अवैध रूप से रखी गई रेता और बजरी की पांच ट्रॉलियां जब्त कर ली गईं। इसके बाद टीम किला क्षेत्र पहुंची, जहां फुटपाथ और सड़क किनारे दुकानें सजाकर बैठे लोगों का सामान हटाया गया।अचानक हुई कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। कई लोगों ने टीम का विरोध भी किया और कार्रवाई रुकवाने की कोशिश की। कुछ स्थानों पर नगर निगम कर्मियों और कब्जाधारियों के बीच नोकझोंक भी हुई, लेकिन प्रवर्तन दल ने सख्ती दिखाते हुए अभियान जारी रखा।

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर के मुख्य मार्गों पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। सड़कों के किनारे अवैध कब्जों की वजह से आए दिन जाम की स्थिति बन रही थी, जिससे आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही थी।

जौनपुर की दिशा बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों की कार्यशैली पर उठाए सवाल

प्रभात समय संवाददाता

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ल्लदिशाङ्क की बैठक में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप लगे और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। बैठक की अध्यक्षता सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने की, जबकि सह-अध्यक्ष के रूप में सांसद प्रिया सरोज और राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी उपस्थित रहीं।

बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा के दौरान जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों की तैयारी और जवाबदेही पर नाराजगी जताई। बैठक के उपरांत पत्रकारों से बात करते हुए मछलीशहर की सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई अधिकारियों को अपने ही विभाग और योजनाओं की समुचित जानकारी नहीं है। उन्होंने मांग की कि सभी अधिकारी विधानसभा वार मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराएं। डॉ. सोनकर ने शिक्षा और पोषण से जुड़े मुद्दे भी उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूलों में मिड-डे मील के लिए पर्याप्त बजट होने के बावजूद बच्चों को मानक के अनुरूप पोषण नहीं मिल रहा है। इस पर एक निगरानी टीम गठित कर व्यवस्था सुधारने की मांग की गई। साथ ही जिला अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन के उपयोग न होने पर भी सवाल उठाए गए। बदलापुर के भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने भी अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अधिकारी बिना तैयारी के बैठकों में आते हैं और जनप्रतिनिधियों को गुमराह करते हैं। बदलापुर में निर्माणाधीन ओवरब्रिज के कार्य में हो रही देरी पर उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द काम पूरा नहीं हुआ तो वह धरने पर बैठेंगे।

शासन के जीरो टॉलरेंस के तहत डीएम ने की बड़ी कार्यवाही

प्रभात समय संवाददाता

उरई। ग्राम पंचायत रूदावली, विकास खंड नदीगांव में विकास कार्यों में पाई गई अनियमितताओं पर शनिवार को जिलाधिकारी ने शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त एक्शन लिया है। शिकायत, जांच, मामले की शुरुआत उस समय हुई जब भगवान सिंह ने तत्कालीन जिलाधिकारी को शिकायत देकर ग्राम पंचायत रूदावली में कराए गए विकास कार्यों में गंभीर गड़बड़ियों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए 03 जनवरी 2023 को दो सदस्यीय जांच समिति गठित की गई, जिसमें भूमि संरक्षण अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता जल निगम को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी क्रम में पंचायत सहायक मोहिनी द्वारा भी संबंधित प्रकरण में जिला पंचायत राज अधिकारी को शिकायत प्रस्तुत की गई थी, जिसे जांच में शामिल किया जाना था। हालांकि, जांच उप कृषि निदेशक को दे दिए जाने से प्रक्रिया का समुचित पालन नहीं हो सका और जांच की दिशा प्रभावित होती चली गई। परिणामस्वरूप, प्रकरण लम्बित हुआ और मामला उच्च न्यायालय तथा लोकायुक्त तक पहुंच गया। जहां से समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि ग्राम पंचायत में कराई गई इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य में 08 मीटर कम निर्माण कराया गया। जिससे विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए। साथ ही वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि होने पर 1,25,341 रुपये की धनराशि की रिकवरी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। पूरे मामले में ग्राम पंचायत सचिव रोहित कुमार की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उन्होंने जांच समिति को अपेक्षित सहयोग नहीं दिया, आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए और न ही समुचित जानकारी दी। इससे जांच प्रभावित हुई और प्रकरण के निस्तारण में अनावश्यक विलम्ब हुआ। इस गंभीर लापरवाही को जिला विकास अधिकारी ने अत्यंत गंभीरता से लेते हुए रोहित कुमार को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही ग्राम प्रधान रूदावली जाकिर हुसैन के विरुद्ध पंचायत राज अधिनियम की धारा 95-जी के अंतर्गत नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जनपद में भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितता, कर्तव्यों में शिथिलता और जांच में बाधा डालने जैसी किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मेडी लाइफ अस्पताल में भी अवैध किडनी ट्रांसप्लांट, महिला की मौत से गहराया

प्रभात समय संवाददाता

कानपुर। कानपुर में अवैध किडनी ट्रांसप्लांट कंाड की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इसके चौंकाने वाले पहलू सामने आ रहे हैं। अब इस मामले में एक और अस्पताल का नाम जुड़ गया है, जहां ट्रांसप्लांट के दौरान महिला की मौत होने की बात सामने आई है।

गिरफ्तार ओटी टेक्नीशियनों की पूछताछ में इस पूरे नेटवर्क के कई अहम सुराग मिले हैं, जिससे साफ हो रहा है कि यह रैकेट कई स्तरों पर सक्रिय था। देश के अलग-अलग राज्यों के साथ-साथ नेपाल तक से डोनर बुलाए जाने की बात भी सामने आई है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है और फरार आरोपितों की तलाश तेज कर दी गई है।

रावतपुर क्षेत्र से उजागर हुए इस कंाड में अब तक आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पूछताछ के दौरान डॉक्टर रोहित, अली, अफजल और अंकित के नाम सामने आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें कई जनपदों में दबिश दे रही हैं। दो दिन पूर्व पकड़े गए ओटी टेक्नीशियनों ने पूछताछ में बताया कि अहूजा अस्पताल के बाद केशवपुरम स्थित मेडी लाइफ अस्पताल में भी किडनी ट्रांसप्लांट किए गए। उनके अनुसार, बीते वर्ष उनकी मौजूदगी में एक महिला का ट्रांसप्लांट किया गया था, जिसकी हालत बिगड़ने पर उसे दिल्ली रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

जांच में यह भी सामने आया है कि मध्य प्रदेश के शिवपुरी निवासी जय किशन का ट्रांसप्लांट भी इसी अस्पताल में हुआ था, जिसमें बिहार के शुभम ने किडनी दी थी। इसके अलावा नेपाल और जमशेदपुर से भी डोनर बुलाए जाने की जानकारी मिली है, जिनकी तलाश की जा रही है।

इस संबंध में पुलिस उपायुक्त पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने शनिवार को बताया कि अब तक आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है और कई अन्य संदिग्धों की पहचान कर दबिश दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कुछ अस्पताल भी जांच के दायरे में आए हैं और साक्ष्य जुटाकर आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

क्विक न्यूज

सुलतानपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में अयोध्या-प्रयागराज हाइवे पर गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के कटका बाजार में एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। धनपतगंज थाना क्षेत्र के टीकर निवासी अमर बहादुर (30) पुत्र छोटेलाल शहर से शनिवार को अपने घर लौट रहे थे। द्वारिकागंज पुलिस चौकी के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल अमर बहादुर को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान चिकित्कों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। गोसाईंगंज इंस्पेक्टर श्याम सुंदर ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फरार पच्चीस हजार का ईनामी आरोपित गिफ्तार

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के थाना बन्धुआकला पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के आरोपित पच्चीस हजार रूपये के ईनामी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित को न्यायिक प्रकिया के तहत जेल भेजने की कार्रवाई की है। बंधुआ कला थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने शनिवार को बताया कि यूपी गैगस्टर एक्ट के तहत फरार आरोपित पर 25 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित था। आरोपित अरूण कुमार श्रीवास्तव उर्फ बच्चा श्रीवास्तव पुत्र महेश चन्दर श्रीवास्तव निवासी ग्राम सराय भाई थाना धम्मौर का निवासी है। मुखबिर खास की सूचना पर खलेश्रपुर नहर के पास से आज गिरफ्तार किया गया । आरोपित पर लगभग चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

सपा मनाएगी निषादराज व अंबेडकर जयंती

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समाजवादी पार्टी द्वारा भगवान निषादराज और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती इस वर्ष भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है। यह घोषणा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने सदर चुंगी पार्टी कार्यालय में शनिवार को आयोजित मासिक बैठक के दौरान की। जिलाध्यक्ष ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार भगवान निषादराज की जयंती जनपद की प्रत्येक विधानसभा में समारोहपूर्वक आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती भी पूरे जिले में व्यापक स्तर पर मनाई जाएगी। कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार कर ली गई है। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ने बताया कि 10 अप्रैल को मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद सभी विधानसभा अध्यक्ष उसकी गहन समीक्षा करेंगे। किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

ओलावृष्टि पर प्रशासन अलर्ट, डीएम के निर्देश से राजस्व टीमें गांव-गांव पहुंचीं

उरई। शनिवार को जनपद में हुई बेमौसम ओलावृष्टि को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने तत्काल प्रभाव से राजस्व एवं विकास विभाग की संयुक्त टीमों को सक्रिय कर दिया है। उन्होंने उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं लेखपालों को निर्देशित किया कि वे माधौगढ़, कुठौंद, रमपुरा एवं कोंच क्षेत्र के गांवों में पहुंचकर फसल क्षति का विस्तृत सर्वे सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की किसी भी प्रकार की क्षति का सही एवं पारदर्शी आंकलन किया जाए, ताकि शासन स्तर पर राहत दिलाने की कार्यवाही शीघ्रता से सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वे कार्य पूरी संवेदनशीलता के साथ किया जाए और किसी भी प्रभावित किसान को नजरअंदाज न किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति का आंकलन करे तथा रिपोर्ट समयबद्ध तरीके से प्रस्तुत करे, जिससे राहत वितरण की प्रक्रिया में विलम्ब न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की समस्या प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में राजस्व टीमें क्षेत्र में सक्रिय होकर गांव-गांव पहुंच रही हैं और फसल क्षति का सर्वे कार्य तेजी से किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने गौशाला व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण के दिए निर्देश, पशुओं की देखभाल पर विशेष जोर

उरई। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शनिवार को छौक स्थित गौशाला का निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने गौवंश की देखभाल, चारा-पानी की उपलब्धता एवं साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने कहा कि गौशाला में एक अतिरिक्त टीन शेड बनाया जाए, गौशालाओं का सुचारू संचालन प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और यहां रह रहे पशुओं की समुचित देखभाल सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि पशुओं को नियमित रूप से हरा चारा, स्वच्छ पेयजल एवं समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती रहे। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए गौशाला में छायादार व्यवस्था, पानी की उपलब्धता एवं साफ-सफाई को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि गौवंश को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

102 एंबुलेंस ईएमटी की सूझबूझ से नवजात शिशु की बची जान

देवरिया। सलेमपुर ब्लॉक के ग्राम बहुसरा निवासी कौशल देवी, पत्नी अमित, को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उन्हें निजी साधन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां पर उन्होंने एक नवजात शिशु को जन्म दिया। शुरुआत में शिशु पूरी तरह सामान्य था, लेकिन सुबह होते-होते उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी और उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी। स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने नवजात को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसी दौरान 102 एंबुलेंस सेवा (संख्या ठघ्32क्क6641) की टीम ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत शिशु को एंबुलेंस में शिफ्ट किया और जिला अस्पताल के लिए रवाना हो गए। एंबुलेंस में तैनात ईएमटी मधु और पायलट रामभरोस ने पूरे रास्ते शिशु की स्थिति पर नजर बनाए रखी।

भारत 2047 तक होगा विकसित राष्ट्र : प्रो. अशोक गाबा

- आज का युग कौशल का युगः प्रो0 सत्यकाम
- मुक्त विश्वविद्यालय में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में कौशल विकास के द्वारा कुशल मानव संसाधनों को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगारोन्मुख बनाया जा सकता है। यह बातें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) के कार्यपालक सदस्य प्रोफ़ेसर अशोक गाबा ने कही।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को इम्प्लीमेंटिंग ग्रेजुएट एम्पलायबिलिटी एण्ड नेशनल स्किल्स क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो0 गाबा ने कौशल विकास पाठ्यक्रमों के माध्यम से ही विकसित भारत 2047 बनाने के रोडमप को विस्तार से समझाया।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भारत के सभी 17 मुक्त विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा सकते हैं। कौशल विकास संबंधी किसी भी कोर्स को बनाए जाने से पूर्व स्थानीय तथा क्षेत्रीय औद्योगिक प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करके ही इस प्रकार के कोर्सों का निर्माण किया जाना चाहिए। जिससे युवकों को कौशल विकास की दिशा में अग्रसर करते हुए शत प्रतिशत रोजगार प्रदान करने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा सके। इस अवसर पर उन्होंने भारत के प्रमुख स्टार्टअप की भी चर्चा की।

समारोह के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) के मुख्य सलाहकार अमित शर्मा ने राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद के गठन, महत्व तथा कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अवॉर्डिग और एसेसिंग बॉडी की मान्यता प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा समय की मांग अनुसार कौशल विकास को प्रत्येक पाठ्यक्रम में समाहित करते हुए प्रेरणादाई बनाने पर कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि एनसीवीईटी भारत में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा स्थापित एक नियामक निकाय है, जो व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं कौशल संबंधी योग्यताओं को विनियमित करने, मानक निर्धारित करने और अनुमोदित करने का कार्य करता है, और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक समग्र निकाय के रूप में कार्य करता है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सत्यकाम ने कहा कि आज का युग कौशल का युग है और जो अध्यापक ज्यादा से ज्यादा कौशल विद्यार्थियों के अंदर पैदा करेगा, उसके उतने ही विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा नौकरी मिलेगी और विश्वविद्यालय का ब्रांड भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक विषय में पढ़ाये जाने का प्रावधान कर लिया गया है। हमारे छात्र इस कोर्स को आंग्लभाषा तथा हिंदी भाषा दोनों ही माध्यमों में पढ़ सकेंगे। उन्होंने आज के कौशल से ओत-प्रोत युवाओं को ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनाए जाने का आधार बताया।

मुक्त विवि के मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि समारोह के प्रारंभ में कार्यक्रम समन्वयक प्रोफ़ेसर देवेश रंजन त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ त्रिविक्रम तिवारी तथा धन्यवाद ज्ञापन समाज विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफ़ेसर एस कुमार ने किया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा, शिक्षक एवं शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ अंतर्राज्यीय शराब तस्कर गिरफ्तार

देवरिया। जनपद में अपराध एवं अवैध शराब तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान ल्लऑपरेशन प्रहारङ्क के तहत थाना खामपार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल, अवैध देशी शराब और फर्जी नंबर प्लेट के साथ एक अंतर्राज्यीय शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने शनिवार को बताया कि खामपार पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर ग्राम विरमापट्टी ईदगाह के पास से एक व्यक्ति को पकड़ा गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी की मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर प्लस बरामद हुई, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट ठघ्57ङ्ग3473 लगी थी। इसके अलावा एक प्लास्टिक के झोले में 40 पाउच अवैध देशी शराब ल्लबंटी बबलीङ्क (प्रत्येक 200 एमएल, कुल 8 लीटर) भी बरामद की गई। पूछताछ में अभियुक्त की पहचान बीगु गोड़ पुत्र हरिलाल गोड़, निवासी ग्राम इमिलिया थाना भोरे, जिला गोपालगंज (बिहार) के रूप में हुई।

मोहनसराय में गायत्री परिवार के सदस्यों ने मनमोहक झांकियों के साथ निकाली मंगल कलश यात्रा

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी नगवां स्थित गायत्री शक्तिपीठ की ओर से गंगापुर रोड के किनारे आयोजित तीन दिवसीय श्री पावन प्रज्ञा पुराण एवं गायत्री महायज्ञ में शामिल ग्रामीण महिलाओं ने शनिवार को मनमोहक झांकियों के साथ मंगल कलश शोभायात्रा निकाली।

गायत्री परिवार मोहनसराय शाखा से जुड़ी महिलाओं ने मोहनसराय चौराहा स्थित अदलपुरा रोड से नगवा शक्तिपीठ से आए लोगों की देखरेख में विधिवत वरुण पूजन किया। इसके बाद बाईपास ओवरब्रिज से बैरवन होते महिलाओं ने पूरे मोहनसराय गांव का भ्रमण कर मां गायत्री का जयकारा लगाया। इसके बाद वापस गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम स्थल पर आई। यहां कार्यक्रम स्थल के मुख्य द्वार पर महिलाओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई। इसके बाद मंत्रोंच्चारण के साथ मां गायत्री की विधिवत पूजन के उपरांत कलश यात्रा संपन्न हुआ। कलश यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद के रूप में भोजन ग्रहण किया। उसके उपरांत शाम को 06 बजे से रात्रि 10 बजे तक चलने वाले संगीतमय पावन प्रज्ञा पुराण कथा में शामिल हुई।

आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का समय से करें निस्तारण : मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस चौधरी

प्रभात समय संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में तहसील सदर स्थित सभागार में शनिवार को मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस चौधरी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मण्डलायुक्त ने सबसे पहले तहसील दिवस रजिस्टर और उपस्थिति रजिस्टर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि आमजन की शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी समाधान हो। इसी उद्देश्य से जिला मुख्यालयों पर जनसुनवाई की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है और जल्द ही सभी तहसील मुख्यालयों एवं सम्पूर्ण समाधान दिवसों की भी लाइव मॉनिटरिंग शुरू की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे सम्पूर्ण समाधान दिवस में समय से उपस्थित रहें, ताकि शिकायतकर्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए। मण्डलायुक्त ने कहा कि जिस शिकायत का निस्तारण किया जाए, उसके बाद संबंधित शिकायतकर्ता से फोन पर संपर्क कर यह भी पूछा जाए कि वह कार्रवाई से संतुष्ट है या नहीं।

इससे शिकायत निस्तारण की गुणवत्ता का सही आकलन हो सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को आमजन के साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार करने की सलाह दी।

मुरादाबाद रेल मंडल में 2025-26 के दौरान चलाई गईं 4865 जोड़ी ट्रेनें

प्रभात समय संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने शनिवार को प्रेस कंाफ्रेंस में वर्ष 2025-26 में मुरादाबाद रेल मंडल की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि मुरादाबाद डिवीजन में ट्रेन ऑन डिमांड (टीओडी) के संचालन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। 2025-26 के दौरान, लगभग 4865 जोडी ट्रेनें चलाई गईं, जिनमें 565 शुरुआती ट्रेनें शामिल थीं। 2024-25 की तुलना में शुरुआती जोड़ी ट्रेनों में 38% की वृद्धि हुई है। मंडल रेल प्रबंधक ने आगे बताया कि मुरादाबाद रेल मंडल उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के 22 जिलों तथा 25 लोकसभा क्षेत्रों में फैला हुआ है। यह लगभग 1402 किमी के रेल नेटवर्क में 150 जोड़ी मेल-एक्सप्रेस तथा 43 जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों के माध्यम से 150 स्टेशन एवं 48 हॉल्ट पर प्रतिदिन लगभग 3 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करता है।

डीआरएम ने आगे बताया कि उद्योग क्षेत्र में भी मुरादाबाद मंडल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खाद कारखानों, चीनी मिलों आदि को सेवा प्रदान करते हुए यह राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति में अग्रणी है। साथ ही, एक राज्य से दूसरे राज्य तक खाद्यान्न परिवहन में भी इसकी महत्वपूर्ण भागीदारी है। यात्री सेवाओं के अंतर्गत, मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर 150 यूटीएस तथा 40 पीआरएस केंद्र उपलब्ध हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए 14 यूटीएस-कम-पीआरएस काउंटर भी स्थापित किए गए हैं।

मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि खानपान सुविधाओं के तहत वर्तमान में मंडल में 6 रिफ्रेशमेंट रूम, 30 मल्टीपर्पस स्टॉल-ट्रॉली, 14 मिल्क स्टॉल, 18 वाटर वेंडिंग मशीन, 242 कैटरिंग यूनिट संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 11 स्टेशनों पर 13 एटीएम, 16 स्टेशनों पर 27 पार्किंग यूनिट, 6 स्टेशनों पर 7 पे-एंड-यूज़ शौचालय, 17 एसएलआर एवं 1 वीपी लीज पर संचालित अवसंरचना विकास एवं उन्नयन, 17 स्टेशनों पर एबीएसएस के तहत सॉफ्ट अपग्रेडेशन कार्य जारी बिजनौर स्टेशन चालू, धामपुर स्टेशन तैयार हर्रावाला, नगीना, कोटद्वार कार्य प्रगति पर (जून 2026 तक पूर्ण) है। डीआरएम ने बताया कि हरिद्वार व देहरादून स्टेशनों का पुनर्विकास प्रस्तावित है। रूड़की- देवबंद नई लाइन (29.55 किमी) का उद्घाटन हुआ है। खड़कौदा स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन देहरादून में इलेक्ट्रिक लोको पिट स्थापित हुई, चंदौसी में टॉवर वैगन शेड स्थापित हुआ। 619 किलोवाट घंटा सोलर प्लांट 8 स्टेशनों पर स्थापित हुए, 132 किमी ट्रैक नवीनीकरण, 13 लेवल क्रॉसिंग बंद 52.47 किमी में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग लागू हुआ है। उन्होंने बताया कि मुरादाबाद रेल मंडल में कोई भी प्रमुख दुर्घटना नहीं हुई। 22 लेवल क्रॉसिंग गेट इंटरलॉक किए गए, पिलखुआ एवं खुर्ज़ा में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम कवच कार्य प्रारंभ है। इसके अलावा 1494 पोल, 150 हाईमास्ट आदि में आरसीसीबी लगाए गए, एआई आधारित है।सीसीटीवी निरीक्षण प्रणाली स्वीकृत हुई। इसके साथ सुरक्षा बढ़ाने और निवारक निगरानी के लिए गुजरने वाली ट्रेनों में लटके हुए हिस्सों, गायब हिस्सों का पता लगाने के लिए एआई-सक्षम सीसीटीवी आधारित रोलिंग एग्जामिनेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी गई है। इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) प्रेमशंकर झा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) सुशील कुमार उपस्थित रहे।

दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से हराया

❐ समीर रिजवी ने 51 गेंदों पर बनाए 90 रन

एजेंसी

नई दिल्ली। समीर रिजवी की बेहतरीन विस्फोटक अर्धशतकीय पारी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में6 विकेट पर 162 रन बनाए थे, जवाब में रिजवी के केवल 51 गेंदों पर बनाए गए बेहतरीन 90 रनों की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने 18. 1 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में यह लगातार दूसरी जीत है।

163 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत खराब रही और पहले ही ओवर में दीपक चाहर ने केएल राहुल (01) को केवल 2 रन के कुल स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। राहुल ने केवल 1 रन बनाए। इसके बाद दूसरे ओवर में जसप्रीत बुमराह ने अपने सीधे थ्रो

पर नीतिश राणा को भी चलता किया और 2 ओवर की समाप्ति पर दिल्ली ने केवल 8 रन पर दो विकेट खो दिया।

यहां से पथुम निशंका और समीर रिजवी ने पारी को संभाला। खासकर निशंका ने काफी तेज पारी खेली और पांचवें ओवर में जो कि शार्दुल ठाकुर फेंक रहे थे, 2 चौके और 1 बेहतरीन छक्का लगाया। पावरप्ले की समाप्ति पर दिल्ली कैपिटल्स ने 2 विकेट पर 42 रन बनाए, जिसमें निशंका के 38 और समीर रिजवी के केवल 3 रन रहे। दिल्ली ने 7.2 ओवर में अपने 50 रन पूरे किये। नौवें ओवर में निशंका को जीवनदान भी मिला जब कार्बिन बॉश की गेंद पर नमन धीर ने उनका कैच छोड़ा। निशंका उस समय 41 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। निशंका और रिजवी ने 49 गेंदों पर 66 रनों की साझेदारी करी। इस साझेदारी को दसवें ओवर में 73 के कुल स्कोर पर तोड़ा सैंटनर ने। सैंटनर की गेंद पर मयंक मारकंडे ने निशंका का बेहतरीन कैच पकड़ा। निशंका ने 30 गेंदों पर 44 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने 6 चौका और एक छ्क्का लगाया।

निशंका के आउट होने के बाद धीमी गति से खेल रहे रिजवी ने तेज बल्लेबाजी करनी शुरु कर दी की और 11वें ओवर में कॉर्बिन बॉश को 2 चौके और दो छक्के लगाकर 20 रन जोड़े। इसके बाद अगले ओवर में मयंक मारकंडे को छक्का लगाकर केवल 31 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया, वह यहीं नहीं रूके और अगली ही गेंद पर एक और छक्का जड़ा। रिजवी यहीं नहीं रूके और अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से मुंबई के गेंदबाजों को मैदान के हर तरफ मारा। उनकी यह पारी 17वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने खत्म की। बॉश की गेंद पर तिलक वर्मा ने रिजवी का कैच पकड़ा। रिजवी ने 51 गेंदों पर 7 चौके और 7 छक्के की बदौलत 90 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने चौथे विकेट के लिए 39 गेंदों पर 78 रन की साझेदारी कर मुंबई को पूरी तरह से मैच से बाहर कर दिया। रिजवी ने इससे पहले मैच में भी 73 रनों की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली थी। इसी के साथ ऑरेंज कैप भी रिजवी के पास चली गई।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आठवें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स के सामने जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य रखा है।

सऊदी प्रो लीग में चोट से वापसी पर रोनाल्डो ने दो गोल किए

एजेंसी

रियाद। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए दो गोल किए, जिससे अल-नासर ने सऊदी प्रो लीग में सबसे नीचे चल रही टीम अल-नजमा को हरा दिया।

41 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे इस सीजन में अपने क्लब के लिए उतने ही लीग मैचों में उनके कुल गोलों की संख्या 23 हो गई।

रोनाल्डो को फरवरी के आखिर में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और पिछले महीने जब पता चला कि चोट शुरू में सोची गई चोट से ज़्यादा गंभीर है, तो वह इलाज के लिए स्पेन चले गए थे।

रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के इस पूर्व स्टार ने दो लीग मैच और पुर्तगाल के मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच नहीं खेले।

अल-नजमा ने हैरानी भरी बढ़त बना ली, जबकि वह 27 लीग मैचों में सिर्फ़

एक बार ही जीत पाई थी। लेकिन लिवरपूल के पूर्व फॉरवर्ड सादियो माने और अब्दुल्ला अल हमदान ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में गोल करके अल-नासर को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी।

मेहमान टीम के बराबरी करने के बाद, रोनाल्डो ने 56वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम की बढ़त फिर से कायम कर दी; इसके बाद उन्होंने और माने दोनों ने अपना दूसरा गोल करके जीत पक्की कर दी। अल-नासर की लगातार 13वीं लीग जीत ने तालिका में शीर्ष पर उसकी बढ़त को दूसरे स्थान पर काबिज़ अल-हिलाल से छह अंकों तक बढ़ा दिया है; अल-हिलाल शनिवार को अल-तावून के खिलाफ खेलेगा।

महिला क्रिकेट: न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 66 रन से हराकर जीती वनडे सीरीज

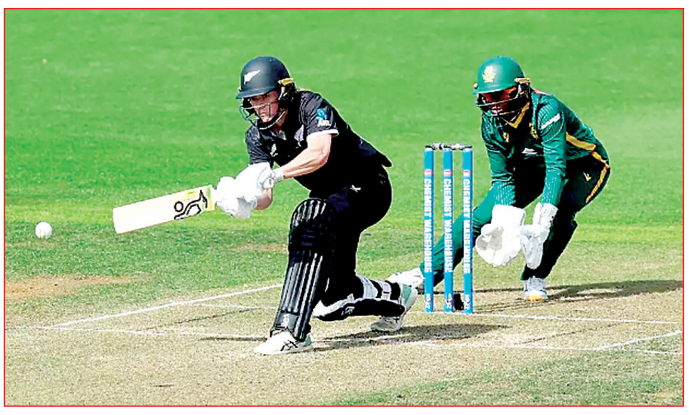

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को तीसरे वनडे मुकाबले में 66 रन से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली। वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व मैदान पर शनिवार (4 अप्रैल) को खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम महज 3 रन पर 3 विकेट गंवा बैठी। तुमी सेखुखुने ने सूजी बेट्स और अमेलिया केर को आउट कर शुरुआती झटके दिए, जबकि अयांडा ह्लूबी ने जॉर्जिया प्लिमर को पवेलियन भेजा। इसके बाद मैडी ग्रीन और ब्रूक हॉलिडे ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 211 रनों की बड़ी साझेदारी की। मैडी ग्रीन ने नाबाद 141 रन बनाए, जबकि ब्रूक हॉलिडे 98 रन बनाकर शतक से चूक गईं। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट पर 306 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने अच्छी शुरुआत की और ओपनर्स ने 68 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट और एनरी डर्कसन ने 77 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, वोलवार्ड्ट के आउट होते ही टीम लड़खड़ा गई और स्कोर 145/1 से 154/4 हो गया।

इसके बाद साउथ अफ्रीका की पारी बिखर गई और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। रोजमेरी मेयर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए और पूरी टीम को 46.1 ओवर में 240 रन पर समेट दिया।

संक्षिप्त स्कोरः न्यूजीलैंडः 306/7 (50 ओवर) ऽ मैडी ग्रीन 141*, ब्रूक हॉलिडे 98। साउथ अफ्रीकाः 240 ऑलआउट (46.1 ओवर) ऽ लॉरा वोलवार्ड्ट 69, एनरी डर्कसन 47।

न्यूजीलैंड 66 रन से विजेता।

आरसीबी के खिलाफ सीएसके को करनी होगी वापसी

एजेंसी

बेंगलुरु। अगर क्रिकेट सिर्फ़ बल्ले और गेंद का खेल होता, तो कोई इसे इतने ड्रामे के साथ लिखने की जहमत नहीं उठाता। लेकिन फिर, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम चेन्नई सुपर किंग्स कभी भी सिर्फ़ क्रिकेट नहीं रहा है। यह एक नाटक है, और कभी-कभी, आँकड़ों के साथ परोसा गया दिल टूटने का एहसास भी।

इस लंबी चलने वाली गाथा का ताज़ा एपिसोड चिन्नास्वामी स्टेडियम में आ रहा है, एक ऐसी जगह जहाँ बाउंड्री छोटी हैं, खिलाड़ियों का मिज़ाज और भी छोटा है, और गेंदबाज अक्सर ऐसे लोगों की तरह दिखते हैं जिन्होंने ज़िंदगी में कोई गलत मोड़ ले लिया हो। बेंगलुरु एक खास तरह के अंदाज़ के साथ मैदान में उतरता है, ऐसा अंदाज़ जो चेन्नई के खिलाफ़ हाल के मुकाबलों में एक बार नहीं, दो बार नहीं, बल्कि लगातार तीन बार जीतने से आता है।

क्रिकेट की भाषा में, इसे मोमेंटम (गति) कहा जाता है; इंसानी भाषा में, इसे आत्मविश्वास कहा जाता है जो कभी-कभी घमंड की हद तक पहुँच जाता है।

दूसरी ओर, चेन्नई एक ऐसे अनुभवी

सज्जन की तरह आती है जिसने अपना चश्मा कहीं खो दिया हो। उन्हें पता है कि क्या करना है, उन्हें याद है कि यह कैसे करना है, लेकिन किसी तरह, इस सीजन के शुरुआती मैचों में इसे ठीक से कर पाना उनके लिए मुश्किल रहा है। दो हारों ने पहले ही दबे-छिपे सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं, ऐसे सवाल जो पहले तो विनम्रता से पूछे जाते हैं, और फिर जब नतीजे बेहतर नहीं होते तो ज़ोर से दोहराए जाते हैं।

बेंगलुरु की बल्लेबाज़ी कुछ ऐसी रही है कि दर्शक गेंदबाज़ों के अस्तित्व को ही भूल जाते हैं। विराट कोहली एक बार फिर इस उथल-पुथल के बीच एक मजबूत सहारा बने हैं, और इतनी सहजता से पारी को संभालते हैं कि यह एक रस्म जैसा लगने लगता है। देवदत्त पडिक्कल ने अपनी निडर बल्लेबाज़ी से टीम में युवा जोश भरा है, जबकि रजत पाटीदार ने दिखाया है कि पारी को खत्म करना (फिनिशिंग) सिर्फ़ एक कला नहीं, बल्कि एक बयान भी है। साथ मिलकर, उन्होंने बेंगलुरु को तेज शुरुआत करने और उससे भी तेज अंत करने की सहूलियत दी है।

उनके पीछे एक सहायक टीम है जो सिर्फ़ सहायक बनकर रहने से इनकार करती है। फिलिप सॉल्ट अपने इरादे ज़ाहिर करते हैं, जितेश शर्मा टीम को लचीलापन देते हैं, टिम डेविड एक ऐसे शांत लेकिन खतरनाक खिलाड़ी की तरह आते हैं जो छोटी-मोटी बातों के बजाय छक्के मारना ज़्यादा पसंद करता है। रोमारियो शेफर्ड अपनी ताक़त और मोमेंटम, दोनों से टीम में योगदान देते हैं।

क्रुणाल पांड्या, जो हमेशा से एक उपयोगी ऑलराउंडर रहे हैं, अपनी शांति से टीम के सभी हिस्सों को एक साथ जोड़ते हैं; उनकी यह शांति बताती है कि उन्होंने इस खेल को इतना करीब से देखा है कि अब इस खेल में आने वाली कोई भी चुनौती उन्हें हैरान नहीं कर सकती।

उनके गेंदबाज़ भी सिर्फ़ दर्शक बनकर नहीं रहे हैं। जैकब डफी ने अपनी अनुशासित और असरदार गेंदबाज़ी से तुरंत ही अपनी छाप छोड़ी, और अहम मौकों पर विकेट चटकाए। भुवनेश्वर कुमार, जो एक पुरानी घड़ी की तरह भरोसेमंद हैं, ने गेंदबाज़ी को कसी हुई रखा है, जबकि सहायक गेंदबाज़ों ने यह सुनिश्चित किया है कि विरोधी टीम कभी भी पूरी तरह से सहज न हो पाए।

चेन्नई की बल्लेबाज़ी की कहानी कुछ और ही है-एक ऐसी कहानी जिसमें उम्मीद तो है, लेकिन उसमें निरंतरता की कमी आड़े आती रहती है। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर पारी की शुरुआत को सही दिशा देने की ज़िम्मेदारी है, जबकि संजू सैमसन अपनी कलात्मकता और किसी भी शांत ओवर को एक धमाकेदार ओवर में बदलने की क्षमता लेकर आते हैं।

पश्चिम एशिया की जंग से पीई-वीसी निवेश पर पड़ा असर

❐ मार्च में निवेश में आई 19 प्रतिशत की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला नकारात्मक असर अब साफ नजर आने लगा है। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल युद्ध के कारण भारत में होने वाले निवेश पर काफी बुरा असर पड़ा है। मार्च के महीने में भारत में प्राइवेट इक्विटी (पीई) और वेंचर कैपिटल (वीसी) फर्मों में होने वाला निवेश करीब 19 प्रतिशत तक गिर गया है।

रिसर्च फर्म वेंचर इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल फर्म्स में होने वाले निवेश में मार्च के महीने में आई गिरावट की वजह से कैलेंडर ईयर 2026 की पहली तिमाही

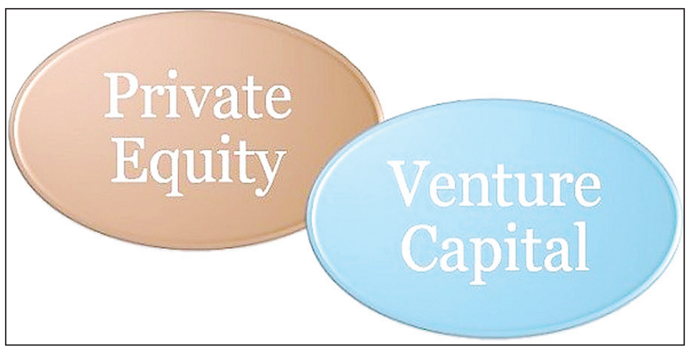

में कुल 22 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। साल की पहली तिमाही यानी जनवरी से मार्च 2026 के दौरान प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल का कुल निवेश 9.10 डॉलर रहा, जबकि साल 2025 की पहली तिमाही यानी जनवरी से मार्च 2025 के बीच प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल फर्म में 11.7 अरब डॉलर का निवेश हुआ था। अगर मार्च 2026 की बात करें तो इस महीने प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल का कुल निवेश 3.8 अरब डॉलर रहा। जबकि पिछले साल मार्च के महीने में दोनों का कुल निवेश 4.7 अरब डॉलर का था। इस तरह मार्च के महीने में प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल के कुल निवेश में 19 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

इतना ही नहीं, साल 2026 की पहली तिमाही के दौरान 10 करोड़ डॉलर या इससे अधिक राशि वाली बड़ी डील की संख्या में भी पिछले साल की तुलना में गिरावट दर्ज की गई। पिछले साल जनवरी से मार्च की अवधि में 10 करोड़ डॉलर या इससे अधिक की 29 डील को फाइनल किया गया था। इस साल जनवरी से लेकर मार्च के बीच 10 करोड़ डॉलर या इससे अधिक की सिर्फ 17 डील को ही फाइनल किया जा सका। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण मार्केट सेंटिमेंट्स काफी कमजोर हो गए हैं। इसी वजह से बड़ी डील को लेकर निवेशकों की दिलचस्पी कम हो गई है। इस लड़ाई की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में भी जबरदस्त तेजी आई है और वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रभावित होने का खतरा बन गया है। इसलिए वैश्विक स्तर पर तमाम स्टॉक मार्केट में भी बड़ी गिरावट आई है।

शेयर मार्केट में आई गिरावट का निगेटिव असर कंपनियों के वैल्यूएशंस पर पड़ा है। बाजार की कमजोरी के कारण ज्यादातर कंपनियों की वैल्यूएशन घट गई है। ऐसे में प्रमोटर्स को कम वैल्यूएशन पर डील करना घाटे का सौदा लग रहा है। फिलहाल प्रमोटर्स पूंजी जुटाने के लिए हालात सामान्य होने का इंतजार करना चाहते हैं। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि फरवरी के आखिरी दिन जंग शुरू हुई थी। एक महीने से ज्यादा का समय बीत जाने के बावजूद इसके खत्म होने की उम्मीद नहीं दिख रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमला और तेज करने की धमकी दी है, तो दूसरी ओर ईरान भी पीछे हटने को तैयार नहीं है।

दोनों पक्षों के अड़ियल रुख की वजह से युद्ध के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इसकी वजह से शेयर बाजार के सेंटिमेंट्स पर भी बुरा असर पड़ रहा है। तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि जब तक यह अनिश्चितता खत्म नहीं होती, तब तक मार्केट सेंटिमेंट्स के सुधरने की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

एवैक्स अपैरल्स के एक शेयर पर बोनस में मिलेंगे तीन नए शेयर, 7 अप्रैल है रिकॉर्ड डेट

एजेंसी

नई दिल्ली। एवैक्स अपैरल्स एंड आर्नामेंट्स ने अपने बोनस शेयर के अलॉटमेंट की तारीख घोषित कर दी है। बोनस शेयर देने का ऐलान फरवरी में किया गया था। कंपनी ने बोनस शेयर के अलॉटमेंट की तारीख 08 अप्रैल तक की है। कंपनी के ऐलान के अनुसार शेरहोल्डर्स के पास मौजूद हर एक शेयर पर तीन नए शेयर बोनस के रूप में दिए जाएंगे।

बोनस शेयर का अलॉटमेंट करने के लिए 07 अप्रैल को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है, मतलब 07 तारीख तक जिन निवेशकों के नाम कंपनी के शेयर होल्डर के तौर पर डिपॉजिटरी के रिकार्ड्स या रजिस्टर ऑफ मेंबर्स ऑफ द कंपनी में मौजूद होंगे, उन्हें ही बोनस शेयर अलॉट किया जाएगा। कंपनी के शेयर की फ़ेस वैल्यू 05 रुपये है।

पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को एवैक्स अपैरल्स एंड आर्नामेंट्स के शेयर 168 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। इस कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 35 करोड़ रुपये है। कंपनी जनवरी 2025 में बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुई थी। इसका आईपीओ 1.92 करोड़ रुपये का था। कंपनी के प्रमोटर हरिंदरपाल सिंह सोढ़ी और हरीश कुमार हैं। पिछले एक साल की अवधि में कंपनी के शेयर की कीमत लगभग 200 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले छह महीने में ही इसने लगभग 180 प्रतिशत का उछाल देखा है। हाल ही में कंपनी का स्टॉक स्प्लिट हुआ है। इसके तहत 10 रुपये फ़ेस वैल्यू वाला एक शेयर 5 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले 2 शेयरों में टूट गया। एवैक्स अपैरल्स एंड आर्नामेंट्स का वित्त वर्ष 2025 में स्टैंड अलोन बेसिस पर रेवेन्यू 34.36 करोड़ रुपये रहा।

वेदांता का मार्च तिमाही में एल्युमिनियम, जिंक का उत्पादन बढ़ा, लौह अयस्क उत्पादन घटा

एजेंसी

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही के लिए शुक्रवार को मिला-जुला परिचालन प्रदर्शन दर्ज किया। आलोच्य अवधि में कंपनी का एल्युमिनियम और जस्ता उत्पादन बढ़ा, जबकि लौह अयस्क, इस्पात और तेल एवं गैस का उत्पादन घटा। कंपनी के अनुसार, समीक्षाधीन तिमाही में कुल एल्युमिनियम उत्पादन में दो प्रतिशत वृद्धि हुई, जबकि जिंक इंडिया के खनन धातु उत्पादन में भी दो प्रतिशत का इजाफा हुआ।

तेल एवं गैस खंड में, कंपनी का औसत दैनिक सकल परिचालित उत्पादन मार्च तिमाही में 15 प्रतिशत घटकर 81,500 बैरल तेल प्रति दिन रह गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि मार्च तिमाही में बिक्री-योग्य लौह अयस्क उत्पादन में तीन प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि बिक्री-योग्य इस्पात उत्पादन में एक प्रतिशत की मामूली कमी दर्ज की गई।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह दक्षता बढ़ाने, पैमाना विस्तार करने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर केंद्रित है। वैश्विक प्राकृतिक संसाधन और प्रौद्योगिकी समूह वेदांता के कारोबार में महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा संक्रमण धातुएं, तेल एवं गैस और बिजली जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,820 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोना आज 1,38,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु आज भी कल के भाव पर यानी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना

1,51,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बिहार में ही बुद्ध और महात्मा गांधी ने ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन का उद्देश्य पाया : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने छात्रों, शिक्षकों और विद्वानों को संबोधित करते हुए बिहार की ऐतिहासिक और वैचारिक विरासत की सराहना की।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह भूमि ल्लमहान विचारों की धरतीङ्क है, जहां गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी जैसी महान हस्तियों ने ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन का उद्देश्य तय किया। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती पर ही बौद्ध धर्म, जैन धर्म और समाजवादी विचारधारा ने आकार लिया। उन्होंने जयप्रकाश नारायण का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश की नैतिक और राजनीतिक चेतना को नई दिशा दी। साथ ही उन्होंने अपने युवावस्था के दिनों को याद करते हुए 1974 की क्रांति में अपनी भागीदारी का भी जिक्र किया।

सीपी राधाकृष्णन ने कहा, ल्लबिहार ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जैसे दूरदर्शी नेता दिए हैं, जिन्होंने भारत की नैतिक और राजनीतिक चेतना को आकार दिया। मैं खुद, जब 18 या 19 साल का था, तो कोयंबटूर के जिला महासचिव के तौर पर 1974 की क्रांति का हिस्सा बना।ङ्क

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने असाधारण विकास किया है। छात्रों से उन्होंने राष्ट्रवाद को अपनाने और एक स्वस्थ, मजबूत तथा नैतिक समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया, जो किसी भी अनैतिक चीज़ को स्वीकार न करे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि यहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे आधुनिक क्षेत्रों में हो रहे नवाचारों को देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की भी सराहना की। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए।

कार्यक्रम के बाद वे पश्चिम चंपारण के गौनाहा प्रखंड स्थित भितिहरवा गांधी आश्रम का दौरा कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

पश्चिम एशिया से एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की आज 42 उड़ानें

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस दोनों मिलकर आज इस क्षेत्र से आने-जाने वाली कुल 42 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेंगी।

एयरलाइन ने आज जारी बयान में बताया कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस मिलकर 04 अप्रैल को पश्चिम एशिया क्षेत्र से आने-जाने वाली 42 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेंगी। इसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आने-जाने वाली 26 गैर-निर्धारित उड़ानें शामिल हैं, जो उस समय प्रस्थान वाले स्टेशनों पर स्लॉट की उपलब्धता और अन्य मौजूदा शर्तों के अधीन होंगी।

कंपनी ने कहा कि ये उड़ानें यूएई में संबंधित भारतीय और स्थानीय नियामक प्राधिकरणों से आवश्यक अनुमतियों के साथ संचालित की जा रही हैं। एयर इंडिया समूह ने बताया कि वह रजिस्टर्ड मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करके प्रभावित यात्रियों से खुद संपर्क करेगी। इसके साथ ही एयरलाइन ने यात्रियों से आग्रह किया कि वे री-बुकिंग के ऑफर्स और ऑपरेशनल नोटिफिकेशन्स पाने के लिए अपनी कॉन्टैक्ट डिटेल्स अपडेट करें।

एयरलाइन ने बताया कि इसके अलावा उत्तरी अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अन्य क्षेत्रों से आने-जाने वाली एयर इंडिया की सभी उड़ानें तय शेड्यूल के अनुसार चल रही हैं, जिन यात्रियों की शेड्यूल्ड सर्विस सस्पेंड हो गई है, वे एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट के ज़रिए री-बुकिंग या पूरे रिफंड के लिए अप्लाई कर सकते हैं। कंपनी ने कहा कि इसके अलावा जिन यात्रियों ने ऐसे किसी भी रूट पर यात्रा के लिए बुकिंग कराई है, जहां एयर इंडिया ग्रुप की तय उड़ान सेवाएं कुछ समय के लिए निलंबित हैं, वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी यात्रा की तारीख आगे बढ़ा सकते हैं या पूरे पैसे वापस लेने का विकल्प चुन सकते हैं।

एयर इंडिया ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी री-बुकिंग या कैंसलेशन की रिक्वेस्ट एयरलाइन की वेबसाइट https://airindia.com पर भेजें।

असम के अमीनगांव में 1.5 करोड़ की हेरोइन संग दो महिला समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी

कामरूप (असम)। नशीले पदार्थों के खिलाफ एक बड़े अभियान में, स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने कामरूप पुलिस के साथ मिलकर कामरूप (ग्रामीण) जिला मुख्यालय शहर अमीनगांव में एक छापेमारी के दौरान लगभग 1.50 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त की। इस दौरान तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को बताया है कि इस अभियान का नेतृत्व एडिशनल एसपी कल्याण कुमार पाठक ने किया, जो खास खुफिया जानकारी पर काम कर रहे थे। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें मणिपुर की दो महिलाएं और रंगिया का एक स्थानीय तस्कर शामिल है। गिरफ्तार लोगों की पहचान मणिपुर के थौबल जिले के काकचिंग की कोंथा इंगलाई (31) व ममताज बेगम (38) और कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत रंगिया के खांडीगढ़ निवासी मो. साहिल खान (43) के रूप में हुई है। अभियान के दौरान, पुलिस कर्मियों ने प्लास्टिक की 13 साबुनदानी बरामद किए जिनमें कुल 182 ग्राम हेरोइन थी। शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह खेप रंगिया में मौजूद तस्कर तक पहुंचाने के लिए ले जाई जा रही थी। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ जरूरी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली और भारत मजबूती से बाहर निकला : विदेश मंत्री

❒ भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर का 15वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

एजेंसी

रायपुर। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा, ''हम अब दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि हाल के कई वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली है और भारत उससे मजबूती से बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी दोनों चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है।'' विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर शनिवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नया रायपुर स्थित परिसर में 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में विभिन्न कार्यक्रमों के 552 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई, जिनमें प्रमुख एमबीए प्रोग्राम के 314, एग्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम के 230 और 8 डॉक्टरेट शोधार्थी शामिल थे। इस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने दीक्षांत भाषण दिया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा, ''स्नातक होने वाले इस बैच को खुद को भाग्यशाली मानना चाहिए। क्योंकि यह उस पीढ़ी का हिस्सा है जो 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियत है। आप एक दशक की ठोस प्रगति और विकास के लाभार्थी हैं। आपको तकनीक और सूचना तक वह पहुंच प्राप्त हुई है, जिसकी कल्पना एक पीढ़ी पहले करना भी असंभव था। यही नहीं आप वैश्वीकरण के उस युग में बड़े हुए हैं, जिसने आपको शेष विश्व के साथ बहुत गहराई से जोड़ा है। आज भारत अपनी विकास यात्रा में एक लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है और आपका यह समूह उन लोगों में शामिल होगा जो इस प्रयास का नेतृत्व करेंगे। आपके कौशल हमारे राष्ट्र को समृद्धि की खोज में आगे ले जाने में मदद करेंगे।''

विदेश मंत्री ने कहा, ''यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि आज भारत में स्नातक होने वालों की संभावनाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक उज्ज्वल हैं। वास्तव में, हमारे समाज में एक ऐसा आशावाद है जो दुनिया के कई अन्य हिस्सों में नहीं दिखता। अब आप पूछ सकते हैं कि ऐसा क्यों है? शायद इसलिए, क्योंकि पिछले दस वर्ष बहुत बेहतर रहे हैं, जिससे यह विश्वास पैदा हुआ है कि अगले दस वर्ष और उसके बाद का समय भी वैसा ही होगा। आखिर हम अब दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि हाल के कई वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली है और भारत उससे मजबूती से बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी दोनों चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है।''

आईआईएम रायपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष पुनीत डालमिया ने कहा, ''2026 के बैच, आप गहरे वैश्विक बदलाव के क्षण में स्नातक हो रहे हैं। हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल व्यवधान, भू-राजनीतिक बदलाव और तेजी से बदलते उपभोक्ता व्यवहार वाले युग में जी रहे हैं। ऐसी दुनिया में ज्ञान महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुकूलन क्षमता अनिवार्य है। रणनीति मायने रखती है, लेकिन गति उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। महत्वाकांक्षा आवश्यक है, लेकिन सत्यनिष्ठा पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। जीवन भर सीखने वाले बने रहें, ईमानदारी के साथ नेतृत्व करें और स्वयं से परे प्रभाव पैदा करें। आपका मूल्यांकन आपके पद या वेतन से नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में आपके द्वारा लाए गए बदलाव से किया जाएगा।''

दीक्षांत समारोह का समापन शिवांग छिकारा, शालिनी दुबे और बोबन चाको सहित अन्य मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान करने के साथ हुआ। अपने द्वितीय चरण के परिसर विस्तार और 20.93 लाख प्रति वर्ष के औसत पैकेज के साथ एक मजबूत प्लेसमेंट सीजन के साथ, आईआईएम रायपुर प्रबंधन उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख संस्थान और भारत के पेशेवर परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत कर रहा है।

'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी तेज, 'क्वीन फॉरएवर' हो सकता है नया नाम

एजेंसी

साल 2014 में रिलीज हुई 'क्वीन' की सफलता के बाद अब इसके सीक्वल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अभिनेत्री कंगना रनौत की इस चर्चित फिल्म का दूसरा भाग जल्द ही फ्लोर पर जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के लिए 'क्वीन फॉरएवर' शीर्षक पर विचार किया जा रहा है और इसे अंतिम रूप देने की तैयारी चल रही है। निर्माताओं का मानना है कि यह नाम फिल्म की थीम के अनुरूप है और आधिकारिक घोषणा जल्द की जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार, सीक्वल का निर्माण ट्रिगर हैप्पी एंटरटेनमेंट के अमित चंद्रा द्वारा किया जाएगा। फिल्म में कंगना का लोकप्रिय किरदार 'रानी' इस बार विदेश यात्रा के बजाय भारत के विभिन्न शहरों की सैर करता नजर आएगा। कहानी आत्म-खोज के नए अध्याय पर आधारित होगी, जिसमें रानी का सफर एक बार फिर उसके व्यक्तित्व में बड़ा बदलाव लाएगा। इससे पहले इस बैनर ने फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' का निर्माण भी किया है।

गौरतलब है कि 'क्वीन' में राजकुमार राव और लीजा हेडन ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म का निर्माण फैंटम फिल्म्स के विक्रमादित्य मोटवाने और अनुराग कश्यप ने वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स के साथ मिलकर किया था। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से जबरदस्त सराहना मिली थी और कंगना रनौत को उनके अभिनय के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 61 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

'रामायण' में रणबीर कपूर का डबल रोल, राम के साथ परशुराम के किरदार में भी आएंगे नजर

एजेंसी

रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में जारी टीजर के बाद अब रणबीर कपूर ने बड़ा खुलासा करते हुए पुष्टि की है कि वह फिल्म में डबल रोल निभाते नजर आएंगे। अभिनेता न केवल भगवान राम की भूमिका में दिखेंगे, बल्कि भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का किरदार भी निभाएंगे।

रणबीर कपूर ने इस दोहरी भूमिका को अपने करियर का एक शानदार अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि परशुराम और राम, दोनों ही आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से गहरे किरदार हैं, जिन्हें समझना एक अभिनेता के लिए चुनौतीपूर्ण है। रणबीर के मुताबिक, इन किरदारों की मूल भावना, उनके सिद्धांत और उद्देश्य को समझना अभिनय की सबसे अहम प्रक्रिया रही। टीजर में भी इस डबल रोल की झलक देखने को मिली थी, जहां भगवान राम के रूप में रणबीर को एक सुनहरे फरसे को पकड़ते हुए दिखाया गया, जो परशुराम का प्रतीक माना जाता है। हालांकि उस समय चेहरा स्पष्ट नहीं किया गया था, लेकिन अब अभिनेता ने इन अटकलों पर मुहर लगा दी है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में यश रावण, साई पल्लवी सीता और सनी देओल हनुमान के किरदार में नजर आएंगे।

मां बनने के बाद परिणीति चोपड़ा का पहला रिएक्शन

एजेंसी

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा जल्द ही जी5 के टॉक शो मॉम्स टॉक को होस्ट करती नजर आएंगी। शो के अनाउंसमेंट के दौरान उन्होंने मां बनने के अपने अनुभव, परिवार के सहयोग और समाज में प्रचलित सोच पर खुलकर बात की। परिणीति ने कहा कि उनके इस सफर को आसान बनाने में उनके पति राघव चड्ढा और परिवार का बड़ा योगदान रहा, जिससे उन्हें कभी अकेलापन महसूस नहीं हुआ। इवेंट में उन्होंने कामकाजी मांओं की चुनौतियों पर भी बात की और कहा कि कई महिलाओं को परिवार और पति का साथ नहीं मिल पाता, जो दुखद है। परिणीति के मुताबिक, मां बनने के सफर में सबसे जरूरी चीज 'सपोर्ट सिस्टम' है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर मां को सहयोग और समझ की जरूरत होती है, ताकि वह अपने बच्चे की बेहतर परवरिश कर सके।

अपने शो के बारे में बताते हुए परिणीति ने कहा कि 'मॉम्स टॉक' के जरिए वे यह संदेश देना चाहती हैं कि बच्चे की परवरिश का कोई एक तय तरीका नहीं होता। उन्होंने कहा कि माता-पिता को समाज के दबाव से हटकर अपने तरीके से फैसले लेने चाहिए। हर एपिसोड में दर्शकों को अपनी जिंदगी से जुड़ी कहानियां और उनके समाधान देखने को मिलेंगे। परिणीति ने यह भी कहा कि माता-पिता को दोस्ताना रवैया रखते हुए अनुशासन बनाए रखना चाहिए, ताकि बच्चों का संतुलित विकास हो सके।

एक्शन से भरपूर 'डकैत' ट्रेलर रिलीज

एजेंसी

साउथ सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डकैत' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म का ट्रेलर यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो रहा है और इसमें एक्शन व थ्रिलर का दमदार मिश्रण देखने को मिल रहा है। इससे पहले फिल्म का गाना 'टच बडी' भी रिलीज हुआ था, जिसे पवन सिंह और जोनिता गांधी ने गाया है और इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

निर्देशक शेनिल देव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अनुराग कश्यप और प्रकाश राज भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले इसे 19 मार्च को रिलीज किया जाना था, लेकिन मेकर्स ने बेहतर स्क्रीन स्पेस और दर्शकों का ध्यान पाने के लिए रिलीज डेट आगे बढ़ाने का फैसला किया। फिल्म को हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया गया है।

करीब 2 मिनट 23 सेकंड के ट्रेलर की शुरुआत एक रोमांटिक दृश्य से होती है, जिसमें अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर एक खुशहाल भविष्य की योजना बनाते नजर आते हैं। लेकिन कहानी में अचानक ट्विस्ट आता है और अदिवि शेष का किरदार जेल पहुंच जाता है, जिससे दोनों के रिश्ते में दरार आ जाती है। इसके बाद कहानी एक रहस्यमयी और भावनात्मक मोड़ लेती है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।